लखनऊ

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

शुक्रवार, 20 सितम्बर, 2024
वर्ष : 10 । अंक: 70
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हम ही हैं जो अपनी आंखों पर हांथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है। - स्वामी विवेकानन्द

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi
NIGHT 27° Low

## संक्षेप

### इमरान की पार्टी का दावा- लाहौर में शनिवार को होने वाली रैली से पहले पीटीआई के दर्जनों सदस्य गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने गुरुवार को दावा किया कि पंजाब पुलिस ने उसके दर्जनों नेताओं को गिरफ्तार कर लिया है। पीटीआई का आरोप है कि पुलिस की यह कार्रवाई शनिवार को लाहौर में होने वाली उसकी रैली के मद्देनजर की गई है। पार्टी ने दावा किया है कि शनिवार की यह रैली उसकी ताकत दिखाने वाली रैली होगी। पीटीआई के नेता अली एजाज बटर ने कहा कि पुलिस ने पंजाब विधानसभा में वरिष्ठ नेता अफजल फट और दर्जन भर अन्य नेताओं को मीनर-ए-पाकिस्तान मैदान में होने वाली रैली से पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पीएमएल-एन सरकार की ऐसी फासीवादी चालों के बावजूद लाहौर में ऐतिहासिक रैली होना तय है। गौरतलब है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने 21 सितंबर को लाहौर में बड़ी रैली का आह्वान किया है। उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में घरों से बाहर आकर इस रैली में हिस्सा लेने की अपील की है। पीटीआई नेता सनम जावेद ने कहा कि पंजाब के लोगों, खासकर लाहौर के लोगों के लिए यह एक बहुत बड़ा मौका है, जब वे इमरान खान को समर्थन दिखा सकते हैं। ठीक उसी तरह, जब वे आठ फरवरी को घरों से बाहर आए थे और उनके चुने हुए उम्मीदवारों को वोट किया था। जावेद ने कहा कि यह एक अहम समय है, जब लोगों को चोरी हुए जनादेश के खिलाफ और देश की युवा आबादी के लिए अपनी आवाज उठानी चाहिए।

### कनाडा ने इस साल अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 35 फीसदी कम वीजा दिए, ट्रूडो का एलान- अगले साल और कम करेंगे

ओटावा। कनाडा ने अप्रवासन नियमों में सख्ती करते हुए अप्रवासी कामगारों की संख्या पर लगाम लगाई है और साथ ही अंतरराष्ट्रीय छात्रों को जारी किए जाने वाले वीजा की संख्या भी कम की गई है। गौरतलब है कि कनाडा ने इस साल यानी 2024 में 35 फीसदी कम 4,85,000 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वीजा जारी किए हैं। अगले साल कनाडा सरकार इसमें भी 10 प्रतिशत की कटौती कर इसे 4,37,000 करने का एलान कर चुकी है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रूडो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'हम इस साल 35 प्रतिशत कम अंतरराष्ट्रीय छात्रों को कनाडा आने की इजाजत दे रहे हैं। अगले साल इन नंबर्स में भी 10 फीसदी की कमी की जाएगी। हमारी अर्थव्यवस्था के लिए अप्रवासन एक फायदेमंद चीज हैं, लेकिन जब कुछ लोग इस व्यवस्था का गलत फायदा उठाते हैं और छात्रों को दिए लाभ का इस्तेमाल करते हैं तो हम उन पर लगाम भी लगाते हैं।' कनाडा के अप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने कनाडा आने वाले अप्रवासियों की संख्या पर लगाम लगाने के लिए कई और कदम उठाने का एलान किया। दरअसल कनाडा में स्थानीय लोग अब अप्रवासियों का विरोध कर रहे हैं। कनाडा में घर खरीदना, स्वास्थ्य सेवाएं अब काफी महंगी हो गई हैं। स्थानीय लोग इसकी एक वजह अप्रवासियों को भी मानते हैं। साथ ही नौकरी के घटते अवसर भी अप्रवासियों के विरोध की वजह बने हैं।

# बूथ जीतिए, चुनाव जीतिए : सीएम योगी

### बिना भेदभाव डबल इंजन सरकार ने प्रदेश, अयोध्या और मिल्कीपुर में कराए विकास के अनेक कार्य: सीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**अयोध्या।** मिशन मिल्कीपुर में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों व पार्टी पदाधकारियों संग बैठक की। सीएम ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि बूथ जीतिए, चुनाव जीतिए। सीएम ने मंडल स्तर के पदाधिकारियों से भी सांगठनिक रिपोर्ट ली और कहा कि अधिक से अधिक सदस्य बनाकर पार्टी को मजबूत कीजिए।

### हर बूथ पर जीत निर्धारित करनी है

सीएम योगी ने कहा कि हमें चुनाव बूथ पर लड़ना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्र दिया है कि बूथ जीतेंगे तभी चुनाव जीतेंगे। हमें हर बूथ पर जीत दर्ज करनी है। पदाधिकारी बूथों की कटेगरी निर्धारित कर लें। ए कैटेगरी के बूथ पर बड़ी जीत दर्ज करनी है। बी कैटेगरी के बूथों को ए कैटेगरी तथा सी कैटेगरी के बूथों को बी कैटेगरी में लाना है। पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिवस (25 सितंबर) पर पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि बूथों पर जाएं और स्थानीय लोगों से संपर्क कर उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार की तरफ से चल रही प्रदेश, अयोध्या व मिल्कीपुर में चल रहीं विकास योजनाओं के बारे में अवगत कराएं।

कार्यकर्ताओं से संवाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संगठन की योजना के अनुसार किसान, अधिवक्ता प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारी सहित सभी वर्गों के सम्मेलन आयोजित किए जाएं। 30 सितम्बर तक यसभी प्रकोष्ठों, विभागों की बैठक तथा सभी मोर्चा के सम्मेलन आयोजित हों। इसके उपरांत सभी को मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए जिम्मेदारी सौंप दी जाए।

### यह जनप्रतिनिधि व पार्टी पदाधिकारी रहे मौजूद

बैठक में प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, योगी सरकार के मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मयंकेश्वर शरण सिंह, सतीश शर्मा, भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव, डॉ. अमित सिंह चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, शैलेन्द्र कोरी, राघवेंद्र पांडेय, सहकारी बैंक के सभापति धर्मेंद्र प्रताप सिंह, ओम प्रकाश सिंह, अवधेश पाण्डेय बादल सहित मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, मोर्चों के अध्यक्ष, प्रकोष्ठ व विभाग के संयोजक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# 'कांग्रेस का शाही परिवार भ्रष्टाचार का जन्मदाता'

## उनके उत्तराधिकारी ने विदेश में कहा- हमारे 'देवी-देवता' भगवान नहीं, यह आस्था का अपमान

**श्रीनगर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरूवार को जम्मू कश्मीर में दो जनसभाएं कीं। उन्होंने कटरा में कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार भ्रष्टाचार का जन्मदाता है। कांग्रेस के उत्तराधिकारी ने विदेश जाकर कहा कि हमारे 'देवी-देवता' भगवान नहीं हैं। यह हमारी आस्था का अपमान है। कांग्रेस को इसके लिए दंड देना चाहिए। कांग्रेस मोहब्बत की दुकान लगाकर नफरत का सामान बेच रही है। यह उसकी नीति है।

वहीं, शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में PM ने कहा, 'हमने देश की संसद में कहा है कि जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा दिलाएंगे। भाजपा ही इसे पूरा करेगी। इसलिए मेरी आपसे अपील है कि 25 सितंबर को वोटिंग के सारे रिकॉर्ड टूटने चाहिए।' इसके पहले 14 सितंबर को PM मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस, PDP और कांग्रेस को लेकर कहा, 'इन तीन खानदानों ने अपनी सियासी दुकान

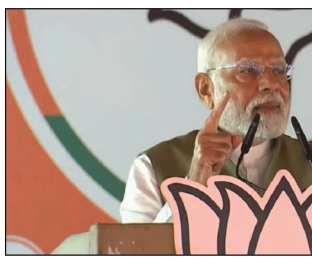

चलाने के लिए दशकों तक घाटी में नफरत का सामान बेचा है। इनके कारण ही यहां के युवा तरक्की नहीं कर पाए।'

### पहले फेज की रिकॉर्ड वोटिंग पर

चुनाव में पहले फेज में इतनी बड़ी तादाद में वोटिंग हुई। ये खुशी की बात है कि दहशतगर्दी खत्म हुई और चुनाव के लिए लोग इतनी बड़ी तादाद में घर से बाहर निकले। ये नया इतिहास बना है। आपने ये इतिहास रचा है। दुनिया देख रही है कि कैसे जम्मू-कश्मीर के लोग भारत के लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं।

NC-कांग्रेस और PDP पर : दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन्हें लगता है, जैसे-तैसे कुर्सी पर कब्जा जमाना और फिर आपको लूटना, ये इनका पैदायशी हक है। जम्मू-कश्मीर की आवाम को उनके जायज हक से महरूम रखना ही इनका सियासी एजेंडा रहा है। इन्होंने सिर्फ डर और अराजकता ही दी है। अब कोई इनके शिकंजे में रहने वाला नहीं है।

### घाटी में होने वाली पत्थराबाजी पर

इन्होंने अपनी सियासी दुकान चलाने के लिए दशकों तक नफरत का सामान बेचा है। आप वो वक्त याद रखिए, जो स्कूल कॉलेज बच गए, वहां कई-कई सालों तक पढ़ाई नही हो पाती थी। ये तीन खानदान उनके हाथों में पत्थर थमा कर खुश रहते थे।

### जम्मू-कश्मीर में एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स पर

मैं सिर्फ बीते 5 साल का हिसाब आपको देता हूं। मोदी ने 50 हजार बच्चों का दोबारा स्कूल में दाखिला कराया। यहां 15 हजार स्कूलों में प्री प्राइमरी क्लासेस शुरू की गईं, इनमें आज डेढ़ लाख से ज्यादा बच्चे पढ़ रहे हैं। आज यहां करीब 250 स्कूलों को पीएम श्री स्कूल्स में अपग्रेड किया जा रहा है। यहां कई कॉलेज बने हैं।

जम्मू-कश्मीर का नौजवान मजबूर नहीं रहा, वो मोदी सरकार में मजबूत हो रहा है। भाजपा ने भी नौजवानों के रोजगार के लिए बड़े ऐलान किए हैं। स्किल डेवलपमेंट हो, बिना धांधली काबिल लोगों को सरकारी नौकरी मिले, ये सारे काम भाजपा यहां पूरे करके दिखाएगी।

### कश्मीर के युवाओं पर

जिन नौजवानों को आगे नहीं बढ़ने दिया। वे इनके खिलाफ मैदान में उतर आए हैं युवा। आज वादी का जो नौजवान 20-25 साल का है, उनमें से कई पढ़ाई-लिखाई से मेहरूम रह गए हैं। कई ऐसे हैं, जिन्हें 10वीं-12वीं या कॉलेज तक पहुंचने में देश के बाकी बच्चों से ज्यादा साल लगे हैं। ये इसलिए हुआ क्योंकि कांग्रेस एनसी और पीडीपी के तीन खानदान फेल हुए हैं।

### राहुल गांधी की बढ़ी मुसीबत, दिल्ली के 3 पुलिस स्टेशनों में बीजेपी ने दर्ज कराई शिकायत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दिल्ली में 3 शिकायत दर्ज कराई है। पंजाबी बाग, तिलक नगर और पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में ये शिकायत दर्ज कराई गई है। राहुल गांधी के SC-ST और OBC आरक्षण पर दिए बयान के खिलाफ बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष मोहन लाल, सिख प्रकोष्ठ और ST प्रकोष्ठ के सीएल मीना ने ये शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि राहुल गांधी ने वॉशिंगटन डीसी में जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एक बयान दिया था, जिस पर विवाद हो गया था।

# 'कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी'

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली के मुद्दे पर शहबाज शरीफ सरकार और कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन एक ही पेज पर थे। यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के बीच आई है, जो 2019 में पूर्ववर्ती राज्य का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद पहली बार है। अब इसी को लेकर देश में सियासत तेज हो गई है। गृह मंत्री अमित शाह ने इसको लेकर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधा है।

अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का आर्टिकल 370 और 35A पर कांग्रेस और JKNC के समर्थन की बात ने एक बार फिर कांग्रेस को एक्सपोज

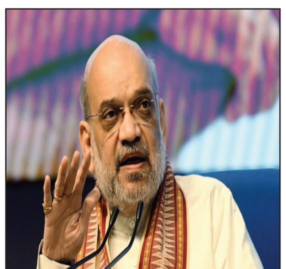

कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि इस बयान ने पुनः यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे भी एक हैं और एजेंडा भी। पिछले कुछ वर्षों से राहुल गाँधी देशवासियों की भावनाओं को आहत करते हुए हर एक भारत विरोधी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एयर स्ट्राइक व सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत माँगने हों, या भारतीय सेना के बारे में आपत्तिजनक बातें करना हो, राहुल गाँधी की कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान के सुर हमेशा एक रहे हैं और कांग्रेस का हाथ हमेशा देशविरोधी शक्तियों के साथ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लेकिन, कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान यह भूल जाते हैं कि केंद्र में मोदी सरकार है, इसलिए कश्मीर में न तो आर्टिकल 370 वापस आने वाला है और न ही आतंकवाद।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद जेकेएनसी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। फारुक अब्दुल्ला ने कहा मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान क्या कहता है। मैं पाकिस्तानी नहीं हूं, मैं एक भारतीय नागरिक हूं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों पर 8 अक्टूबर तक प्रतीक्षा करें, सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। जियो न्यूज से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान और कांग्रेस-एनसी जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए की बहाली के बारे में एक ही दृष्टिकोण साझा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने इसे निरस्त कर दिया था। उन्होंने जवाब दिया कि बिल्कुल। हम भी यही मांग करते हैं। आसिफ ने कहा कि अगर कांग्रेस-एनसी गठबंधन जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आता है तो अनुच्छेद 370 वापस आ सकता है।

# रोहतक में बोले जेपी नड्डा, घड़ियाली आंसू बहाते हैं कांग्रेसी, किसानों का कभी नहीं किया भला

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हरियाणा के रोहतक में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में हमने सरकार बनाई। अब यही अभिलाषा और इच्छा लेकर हम चले हैं कि हरियाणा की जनता का आशीर्वाद मिले और तीसरी बार भी हम यहां कमल का परचम लहराएं। उन्होंने कहा कि ये चुनाव सिर्फ भाजपा की सरकार बनाने का नहीं है। ये चुनाव हरियाणा की गति को चलाए रखने का चुनाव है। ये चुनाव हरियाणा को पटरी पर रखने का चुनाव है। इसलिए आपके कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

जेपी नड्डा ने कहा कि बहुत से

ऐसे लोग होंगे जो पहली बार मतदान कर रहे होंगे और 10 साल पहले वो 8 बरस के होंगे, उनको मालूम नहीं होगा कि... यहां की सड़कें कैसी थीं, 10-10 घंटे गांव में बिजली गुल रहती थी, किसानों के खेत में पानी नहीं पहुंचता था, पर्ची पर नौकरी देने के कारण लोगों को सजाएं हुईं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के 10 साल के दौरान न कोई जमीन घोटाला हुआ और न ही पर्ची पर नौकरी लगी।

उन्होंने लोगों से कहा कि आपको याद रखना है, जो प्रदेश पर्ची पर नौकरी देता था, वो आज नौकरी मेरिट पर देता है। जिस प्रदेश में जमीन के घोटाले हुआ करते थे, वो प्रदेश घोटाला मुक्त हो गया और विकास की ओर बढ़ चला है। कांग्रेस पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि आज कल कांग्रेसी किसानों को लेकर घड़ियाली आंसू बहाते हैं... जब प्रदेश में इनकी सरकार थी, तब ये सिर्फ 8 फसलों पर MSP देते थे। आज भाजपा सरकार 24 फसलों पर MSP दे रही है और आगे भी जारी रखेगी। नड्डा ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार बनते ही ₹2,100 प्रतिमाह हर महिला को दिया जाएगा। IMT खरखौदा की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहरों का निर्माण होगा और आस पास के गांव के 50,000 युवाओं को नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत मिल रहे ₹5 लाख तक के मुफ्त इलाज को ₹10 लाख कर दिया जाएगा।

# राहुल गांधी के खिलाफ बयान पर केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू पर एफआईआर, बोले- माफी नहीं मांगूंगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर दिए गए बयान पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर सिखों को लेकर बयान दिया था, जिस पर रवनीत बिट्टू ने उन्हें आतंकी बता दिया था। इसे लेकर खूब हंगामा हुआ और कर्नाटक में रवनीत बिट्टू के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

कर्नाटक के एक कांग्रेस पदाधिकारी ने केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (गलत सूचना के आधार पर बयान देना या अफवाह फैलाना), 192 (दंगे कराने के मकसद से भडकाऊ बयान देना),

196 (दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने) के तहत बंगलूरू के हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

वहीं जब रवनीत बिट्टू से मीडिया द्वारा पूछा गया कि क्या उन्हें राहुल गांधी के खिलाफ दिए गए अपने बयान पर खेद है? तो रवनीत बिट्टू ने कहा कि 'मुझे खेद क्यों होगा? हमने पंजाब में पूरी एक पीढ़ी को खो दिया। गांधी परिवार ने पंजाब को जलाया। मेरा दर्द बतौर एक सिख है। मैं मंत्री बाद में हूं , लेकिन एक सिख पहले हूं। अगर पन्नू राहुल गांधी के बयान का समर्थन करता है तो अब क्या कह सकते हैं?'

# खड़गे के खत का जेपी नड्डा ने दिया जवाब ; बोले- राहुल खुद पीएम का कई बार कर चुके हैं अपमान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के अन्य नेताओं द्वारा पीएम मोदी को कहे गए अपशब्दों की याद दिलाते हुए तंज कसा। जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 110 से अधिक गालियां दी हैं। इसमें कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी शामिल है।

खड़गे की ओर से हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने उन्हें लिखे पत्र में आरोप लगाया कि आपने राजनीतिक मजबूरीवश जनता द्वारा बार-बार नकारे गए अपने फेल्ड प्रोडक्ट को एक बार फिर से पॉलिश कर बाजार में उतारने के प्रयास में जो पत्र पीएम मोदी को लिखा है, उस पत्र को पढ़कर मुझे लगा कि आपके द्वारा कही गई बातें यथार्थ और सत्य से कोसों दूर हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि पत्र में आप राहुल गांधी सहित अपने नेताओं की करतूतों को या तो भूल गए हैं या उसे जानबूझकर नजरअंदाज किया है, इसलिए मुझे लगा कि उन बातों को विस्तार से आपके संज्ञान में लाना जरूरी है। चूंकि आपने अपने पत्र में सेलेक्टिव तरीके से बात केवल राहुल गांधी को लेकर की, इसलिए मैं उसी से अपनी बात की शुरुआत करना चाहूंगा। जिस व्यक्ति का इतिहास ही देश के प्रधानमंत्री सहित पूरे ओबीसी समुदाय को चोर कहकर गाली देने का रहा हो, देश के प्रधानमंत्री के लिए अत्यंत अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करने का रहा हो, जिसने संसद में देश के प्रधानमंत्री को डंडे से पीटने की बात कही हो, जिसकी धृष्ट मानसिकता से पूरा देश वाकिफ हो, उस राहुल गांधी को सही ठहराने की कोशिश आप किस ये राहुल गांधी की माताजी सोनिया गांधी ही थीं ना खडग़े जी, जिन्होंने पीएम मोदी के लिए मौत का सौदागर जैसे अत्यंत असभ्य अपशब्दों का प्रयोग किया था? इन सभी दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बयानों का तो आप और आपकी पार्टी के नेता महिमामंडन करते रहे! क्यों तब राजनीतिक शुचिता की बातें कांग्रेस भूल गई थी? जब राहुल गांधी ने सरेआम मोदी की छवि को खराब कर देंगे वाली बात कही थी तो राजनीतिक मर्यादा को किसने खंड-खंड किया था खडग़े जी? मैं ये समझता हूं मल्लिकार्जुन खडग़े कि अपने नित्य निरंतर फेल्ड प्रोडक्ट का बचाव करना और उसे महिमामंडित करना आपकी मजबूरी है।

# राजीव गांधी से हाथ मिलाकर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को जेब में डाला, महबूबा का बड़ा अटैक, कहा- युवाओं के लिए अभी भी खोद रहे कब्र

**जम्मू।** जम्मू कश्मीर में पहले चरण की वोटिंग हो चुकी है। दूसरे चरण में 25 सितंबर को वोटिंग होगी। राजौरी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मुफ्ती साहब (मुफ्ती मोहम्मद सईद) ने बहुत कोशिश की, 50 साल में कांग्रेस को खड़ा किया (जम्मू-कश्मीर में)। जब कांग्रेस यहां स्थापित हुई, तो फारूक साहब ने राजीव गांधी से हाथ मिलाया और कांग्रेस को अपनी जेब में डाल लिया। उन्होंने अभी-अभी एक व्यक्ति को मौत की सजा दी है, जिसका मैं नाम नहीं लूंगी। उन्होंने 1987 के चुनावों में धांधली की और ऐसी स्थिति बना दी कि जम्मू-कश्मीर के लोग अभी भी युवाओं के लिए कब्र खोद रहे हैं।

अगस्त 2019 में अनुच्छेद-370 को निरस्त किए जाने और जम्मू-

कश्मीर को दो केंद्र-शासित प्रदेश (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांटे जाने के बाद से वहां पहली बार विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। वर्ष 2022 में परिसीमन के बाद जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों की संख्या 87 से बढ़कर 90 हो गई, जिनमें से 47 सीट कश्मीर घाटी में और 43 सीट जम्मू में हैं। चुनाव मैदान में निर्दलीय उम्मीदवारों की अधिक संख्या को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां), कंग्रेस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने आरोप लगाया कि इन्हें दिल्ली से समर्थन मिल रहा है।

तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कुल 365 उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में पर्चा भरा है। जम्मू-कश्मीर में चुनाव लड़ने वाले निर्दलीय उम्मीदवारों की यह दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। अमरनाथ भूमि विवाद आंदोलन के तुरंत बाद हुए 2008 के विधानसभा चुनावों में 468 उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में किस्मत आजमाई थी। इस आंदोलन में दर्जनों लोग मारे गए थे और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों में उम्मीदवारों की कुल संख्या भी अब तक की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है।

# भाजपाइयों ने पुलिस से नोंक-झोंक के बीच राहुल का पुतला फूंककर जताया आक्रोश

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**सुलतानपुर।** विदेशों में भारत की छवि खराब करने और अमेरिका में सिक्खों के प्रति दिये गए आपत्तिजनक बयान को राष्ट्र विरोधी बताते हुए भाजपाइयों ने विरोध जताया और कलेक्ट्रेट गेट पर विपक्ष के नेता और सांसद राहुल गांधी का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। गुरुवार को भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा की अगुवाई में भाजपाइयों ने राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में सिक्ख समाज को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर तिकोनिया पार्क से कलेक्ट्रेट गेट तक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपाइयों ने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए। कलेक्ट्रेट गेट पहुंचने पर राहुल गांधी का प्रतीकात्मक पुतला जलाया। इस

दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस से तीखी नोंकझोंक और छीना झपटी भी हुई। यहां पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने अमेरिका में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारत में सिक्खों को पगड़ी पहनने, गुरुद्वारे जाने और कड़ा पहनने से रोकने वाले बयान की कड़े शब्दों में भत्र्सना व निंदा की है। उन्होंने कहा राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत की छवि व प्रगति को लेकर झूठा नैरेटिव चलाकर देश को बदनाम करतें हैं।जिलाध्यक्ष ने कहा भारत में सिक्ख समाज शान से रहता है और उनका भारत की आजादी व विकास में शानदार योगदान है। राहुल की बयानबाजी देश को तोड़ने और कमजोर करने की साज़शि है।उन्होंने कहा कि मैं भारत सरकार से आग्रह करूंगा कि नेता प्रतिपक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहते हुए जो देश का सम्मान नहीं कर सकता उसे ऐसे पद पर रहने का अधिकार नहीं है। पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह ने कहा राहुल गांधी ने सिखों के खिलाफ जो बयान दिया है वह 1984 के दंगों की याद दिला देता है। इन दंगो में दिल्ली में ही 3 हजार सिक्खो का कत्लेआम हुआ था। पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने जानकारी दी कि पुतला जलाने में प्रमुख रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता रामचन्द्र मिश्रा पूर्व जिलाध्यक्ष जगजीत सिंह छंगू,डॉ सीताशरण त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल,संदीप सिंह, भाजपा नेता अर्जुन पटेल, युवा मोर्चा अध्यक्ष चन्दन नारायण सिंह, घनश्याम चैहान, प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी, नगर अध्यक्ष आकाश जायसवाल,डॉ रामजी गुप्ता, आशीष सिंह रानू,आत्मजीत सिंह टीटू,सतनाम सिंह, रणजीत सिंह संत, हरदीप सिंह, चरणजीत सिंह आदि मौजूद रहे।

# पैगम्बर मोहम्मद साहब की याद में लगाया रक्तदान शिविर

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**सुलतानपुर।** पैगम्बर मोहम्मद सल्ललाहो अलैह वसल्लम को बारह रबी उल अव्वल यौमे विलादत (जन्म दिन) को यादगार बनाने के लिए राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शिविर का आगाज़ फीता काटकर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के सीएमएस डॉक्टर एसके गोयल ने किया और उन्होने खुले मन से राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के विभिन्न सामाजिक कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सीएमएस डा. एस के गोयल ने कहा कि डेंगू फैल रहा है जिला अस्पताल में इसके लिए 60 वेड का एक पृथक वार्ड बनाया गया है। ब्लड बैंक में ब्लड प्लेटलेट्स की पूर्ति के लिए पर्याप्त व्यवस्था है।डेंगू के रोकथाम के लिए उन्होंने कहा सांय काल खुले हाथ

और पाव की ढक कर रखे। सर्दी जुखाम के लक्षण दिखाई दे तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर अवश्य सलाह ले। यूनानी चिकित्साधिकारी मोहम्मद शोएब ने खुद रक्तदान कर समाज के लोगो को प्रेरित किया। रक्तदान करने वाले रक्तदानियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया।। इन्होंने किया रक्तदान मोहम्मद शोएब, मोहम्मद रिजवान अंसारी, मोहम्मद शफीक घोसी, मोहम्मद यासीन, सरताज खान आदि ने रक्तदान कर महादानी बने। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के मार्गदर्शक निजाम खान ने कहा कि डेंगू के मरीजों के लिए प्लेटलेट्स की पूर्ति के लिए छोटे छोटे समूह में निरंतर रक्तदान किया जाएगा। इस रक्त को रक्त के अभाव में जीवन और मौत से जूझ रहे लोगो को निःस्वार्थ रूप से निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर जिला महिला अस्पताल सीएमएस डॉ. आर के यादव, डॉ आर के मिश्रा ब्लड बैंक प्रभारी, डॉ संजय सिंह डॉ शादाब अंसारी, अनुराग पाण्डेय, अनुराग गुप्ता, विजय चैधरी, कृष्ण प्रसाद श्रीवास्तव, देवनाथ, धर्मेंद्र यादव, प्रधुमन सिंह ने रक्तदान कार्य में अपना योगदान दिया।

# कोचिंग संस्थानों की मनमानी के विरोध में छात्रों का प्रदर्शन, निकाला आक्रोश मार्च

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**प्रयागराज।** निजी कोचिंग संस्थानों के विरोध में आज गुरुवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सड़क पर उतर आये। विश्वविद्यालय के छात्रसंघ भवन पर जुटे सैकड़ों छात्रों ने आक्रोश मार्च निकाला। वह पैदल ही पुलिस कमिश्नर कार्यालय तक गए। छात्र विवेक कुमार शर्म करो शर्म नहीं तो डूब मरो के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय के एक छात्रनेता पर एक कोचिंग संचालक की ओर से फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया था जिसमें संचालक ने गुंडा टैक्स मांगने का आरोप लगाया था। इसके विरोध में छात्र सड़क पर उतर गए हैं।

छात्रों की मांग है कि कोचिंग संस्थानों के नाम पर चल रही माफियागिरी बंद हो। फर्जी मुकदमों में छात्रनेताओं को फंसाकर उनकी और विश्वविद्यालय की छवि धूमिल करने वालों पर कार्रवाई हो। छात्रों के साथ अराजक और कपटपूर्ण व्यवहार तथा धोखाधड़ी करने वाली कोचिंगों का लाइसेंस निरस्त हो। छात्रों की यह मांग भी है की कोचिंग संचालक विवेक कुमार जैसे लोग जिनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हों उन्हें कोचिंग चलाने की अनुमति न दी जाए।

# हाईटेंशन तार टूटकर छत पर गिरा, घरों में दौड़ा करंट... एक साथ निकली कई लोगों की चीख

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**कन्नौज।** उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के गुरसहायगंज क्षेत्र में बूदाबांदी के बीच हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। बिजली सप्लाई होने की वजह से 15 मिनट तक घरों में करंट दौड़ता रहा जिससे लोग तड़पते और चीखते रहे। करेंट की वजह से लोग चाह कर भी पड़ोसी की मदद नहीं कर सके। इस घटना में 38 लोग झुलस गए। वहीं बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर लोगों में गुस्सा है।

गुरसहायगंज क्षेत्र के सीमांत नगर में बारिश के दौरान लोग अपने घरों के अंदर थे। इसी बीच सीमांत नगर मोहल्ले में अचानक एचटी लाइन का तार टूटकर घरों पर गिर पड़ा, जिसके चलते कई घरों में करंट दौड़ गया। घरों में करंट आते ही चीख पुकार मच गई। कोई कुछ भी नहीं समझ पा रहा था कि आखिर हुआ

क्या? वहीं मोहल्ले में नन्हे, अब्दुल गफ्फार, हसीब, वहीद, उस्मान, नौसाद व मोहम्मद नायाब के घरों के ऊपर से गुजरी एचटी लाइन का तार अचानक टूट कर गिर गया। जिससे घरों के अंदर मौजूद लोग बिजली करंट से बेहोश होकर गिरने लगे।

## एचटी लाइन का तार टूटने से मचा हड़कंप

तार टूटने और लगातार करंट प्रवाहित होने से आसपास के लोग मदद भी नहीं कर पाए। वहीं कुछ लोग दौड़कर बिजली उपकेंद्र गए और बिजली सप्लाई बंद कराई। लेकिन जब तक लोग बिजली उपकेंद्र गए तब तक समय ज्यादा हो चुका था। गांधीनगर फीडर बंद होने के बाद लोगों ने राहत महसूस की और आसपास के लोगों ने बिजली का करंट लगने से बेहोश पड़े लोगों की मदद की।

## करंट से 38 लोग झलसे

जानकारी के मुताबिक एचटी लाइन का तार टूटने की घटना में बच्चों व महिलाओं समेत करीब 38 लोग करंट की चपेट में आ गए। जिनमें से लगभग आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। करंट से झुलसे लोगों को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। वहीं दो से तीन की हालत गंभीर होने पर दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया है। सीमांत नगर निवासी हसीब के मकान के आगे टीन शेड है, टीन शेड के ऊपर तार टूट कर गिरने से उनके घर के लोग बिजली करंट से झुलस गए। वहीं नन्हे अली के घर के सभी सदस्य बिजली करंट से झुलस गए हैं।

## जांच के दिए गए निर्देश

नन्हे अली के साले बिल्हौर निवासी अख्तर अली भी बुधवार की सुबह उनके घर आए हुए थे। वह भी बिजली की चपेट में आ गए। जिन्हें काफी देर तक होश नहीं आया। वही मामले में आरके भारती, अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड छिबरामऊ ने कहा कि बिजली लाइन पुरानी है। वहीं घटना के बारे में एसडीओ ने जानकारी के बाद कहा लोगों ने लाइन जर्जर होने के बाद भी उसके नीचे घर बना लिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

# स्वच्छता अभियान के तहत निकाली रैली

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**प्रयागराज।** आज मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु बडोनी की अध्यक्षता में "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के तहत पर्यावरण एवं गृह रखरखाव विभाग प्रयागराज मण्डल द्वारा स्वच्छता रैली आयोजित की गई। रैली प्रयागराज मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से प्रारंभ होकर प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड बने यात्री आश्रय संख्या 3 तक निकाली गई। इस अवसर पर प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड में बने यात्री आश्रय में मंडल रेल प्रबंधक सहित सभी शाखाधिकारियों ने श्रमदान कर साफ सफाई की। प्रयागराज मंडल द्वारा आयोजित जागरूकता रैली में स्काउट्स एवं गाइड्स के बच्चों एवं सिविल डिफेंस की टीमों द्वारा स्वच्छता के संदेशों के माध्यम से रेलकर्मियों, उनके परिवारजनों और आम जनता को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने एवं स्वच्छता के फायदे के बारे में भी जागरूक किया। मंडल रेल प्रबंधक ने स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए कहा कि स्वच्छता हमें अपने भीतर से प्रारंभ करनी होगी और इसे अपने कर्तव्य के रूप में करना होगा। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम हमें अपने घर को स्वच्छ रखना होगा, फिर अपने मोहल्ले को और यदि हम इस प्रक्रिया को इमानदारी से पूरा करते हैं तो हमारा देश स्वतः ही स्वच्छ होगा और स्वच्छता के प्रतीक के रूप में पूरे विश्व में जाना जायेगा। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक सामन्य संजय सिंह, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं गृह रखाखाव प्रबंधक आलोक केसरवानी सहित प्रयागराज मंडल के सभी विभागों के शाखाधिकारी उपस्थित रहे।

# धार्मिक रूप से ऑनलाइन श्राद्ध सही है या गलत?

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**प्रयागराज।** पितृों के तर्पण के लिए पितृपक्ष शुरू हो चुका है। पितृपक्ष भाद्रपद के पूर्णिमा तिथि को 18 सितंबर से शुरू हुआ जो 2 अक्टूबर तक चलेगा। काशी के पिशाचमोचन विमल तीर्थ पर श्राद्ध कर्म और त्रिपिंडी श्राद्ध के लिए देश भर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। जो काशी या गया आने में सक्षम नही हैं वो ऑनलाइन माध्यम से पितृों का तर्पण कर रहे हैं। इनमें रूस, अमरीका के साथ-साथ एशिया के कई देशों के भक्त शामिल हैं।

ऑनलाइन पितृ श्राद्ध को लेकर भक्तों के बीच यह सही और गलत का सवाल बना हुआ है। जो भक्त देश से बाहर हैं वह अपनी सुविधा को लेकर ऑनलाइन श्राद्ध के लिए पुरोहितों से संपर्क कर रहे हैं। तीर्थ पुरोहित भीखु उपाध्याय बताते हैं कि प्रतिदिन बारह से पंद्रह श्रद्धालु ऐसे हैं जो विदेशों में हैं और ऑनलाइन श्राद्ध करा रहे हैं। देश के अलग-अलग

राज्यों के भी श्रद्धालु भी ऑनलाइन श्राद्ध के लिए उनसे जुड़ रहे हैं।

## ऑनलाइन श्राद्ध है गलत

ऑनलाइन श्राद्ध को लेकर कई पुरोहित उसे सही नहीं मानते। उनका कहना है कि ये शास्त्र सम्मत नहीं है। तीर्थ पुरोहित श्री कृष्णनारायण मिश्र ऑनलाइन श्राद्ध को शास्त्र सम्मत नही मानते। उनका कहना है कि पितृों के तर्पण के लिए श्राद्ध कर्म उसके परिजनों को ही करना होगा। उनका कहना है कि ऑनलाइन श्राद्ध फलीभूत नही होगा। उन्होंने बताया कि भौतिक रूप से ही श्राद्ध कर्म किए जा सकते हैं। शास्त्र में तो स्त्रियों के भी श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने की व्यवस्था हैं। अब तो पालतू पशु-पक्षियों की आत्मा की शुद्धि और मुक्ति के लिए लोग श्राद्ध करा रहे हैं और ये शास्त्र सम्मत भी है।

## ऑनलाइन श्राद्ध से बचने के का उपाय

तीर्थ पुरोहित श्री कृष्णनारायण ने ऑनलाइन श्राद्ध से बचने के साथ इसका उपाय भी बताया। उनका कहना है कि यदि किसी कारण से कोई श्रद्धालु श्राद्ध के लिए आने में असक्षम है तो वह किसी को प्रतिनिधि के तौर पर भेजकर ये श्राद्ध कर्म करा सकता है। उन्होंने बताया कि पितृों के तर्पण के लिए श्राद्ध कर्म के लिए ऑनलाइन से बेहतर ऐसा कर सकते हैं और यह शास्त्र सम्मत भी है।

# डीएम की अध्यक्षता में अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक हुयी सम्पन्न

**सीतापुर।** जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गौ संरक्षण एवं गौ आश्रय स्थलों के सफल संचालन हेतु जनपद स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल संचालित गौशाला 233 है तथा इनमे संरक्षित गौवंश 63591 है। अस्थाई गौ आश्रय स्थल ग्रामीण 203 संरक्षित गौवंश 55084, अस्थाई गौ आश्रय स्थल शहरी 01, संरक्षित गौवंश 155, कान्हा गौशाला 06, संरक्षित गौवंश 2872, वृहद गौ संरक्षण केन्द्र 07, संरक्षित गौवंश 4920, काजी हाउस 14 संरक्षित गौवंश 142, तथा पंजीकृत गौशाला 02 संरक्षित गौवंश 418 है। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सभी संबंधित अधिकारियों से नए गौशालाओं के निर्माण के संबंध में जानकारी लेते हुये निर्देश दिये कि सभी संबंधित अधिकारी उपजिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर जमीन चिन्हित करा लें ताकि नए गौशालाओं का निर्माण जल्द से जल्द हो सके।

# ईपीएस को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**सुलतानपुर।** कर्मचारी पेंशन स्कीम (ईपीएस) 1995 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन में बढ़ोत्तरी को लेकर मजदूर संघ द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। मजदूर संघ द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में कर्मचारी पेंशन स्कीम (ईपीएस) 1995 के अंतर्गत न्यूनतम मासिक पेंशन रुपये 1000/- (रुपये एक हजार मात्र) 01 सितंबर 2014 से प्रभावशील है। वर्ष 2014 से वर्ष 2024 के मध्य, लगभग 10 वर्षों के दौरान महंगाई में भी काफी हद तक इजाफा हुआ है। इस कारण "न्यूनतम मासिक पेंशन के एवज में मिलने वाली राशि का वास्तविक मूल्य आज की तिथि में अत्यंत अल्प एवं नगण्य हो चुका है। इस कारण पेंशन धारक का जीवन यापन इस न्यूनतम पेंशन की वर्तमान राशि से करना, अत्यंत दूभर हो गया है। संगठन की तरफ से पूर्व में भी अनेक बार संबंधित फोरम पर न्यूनतम पेंशन की राशि बढ़ाने हेतु उचित पहल की गई है। वर्तमान के उपलब्ध आंकड़े के

अनुसार लगभग 78 लाख, कर्मचारी पेंशन स्कीम (ईपीएस) 1995 के अंतर्गत पेंशनभोगी है। भारतीय मजदूर संघ, की अखिल भारतीय कार्यस मिति के निर्णय के अनुसार जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। मजदूर संघ की प्रमुख मांग है कि कर्मचारी पेंशन स्कीम (ईपीएस) 1995 के अंतर्गत देय न्यूनतम पेंशन राशि 1000 रूपये प्रति माह में बढ़ोत्तरी कर, इसे रुपये 5000/- प्रति माह किया जाए। कर्मचारी पेंशन स्कीम (ईपीएस) 1995 की राशि को महंगाई भत्ते के साथ (लिंक) जोड़कर भुगतान किया जाए। कर्मचारी पेंशन स्कीम (ईपीएस) 1995 को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाये और उसका लाभ दिया जाए।

# 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यो की डीएम ने की समीक्षा

**चित्रकूट।** डीएम शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में 50 लाख से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। डीएम ने 50 लाख रुपए से अधिक लागत के निर्माण कार्यों में अन्तराज्यीय, अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर दो फोर लेन मार्ग में गेट एवं प्रकाश व्यवस्था, राजकीय महाविद्यालय पाही, सेतुओं के निर्माण, उद्यमिता प्रशिक्षण केंद्र, पर्यटन सुविधा केंद्र, पर्यटन के कार्यों, सूचना संकुल भवन, डिफरेंस कॉरिडोर, जल जीवन मिशन, बहुद्देशीय क्रीड़ा हाल, थाना भरतकूप, सरधुआ के आवासीय, अनावासीय भवन निर्माण, सर्किट हाउस निर्माण, वृहद गौ आश्रय केंद्रों के निर्माण, ड्रग वेयर हाउस, राजकीय पॉलिटेक्निक कालेज मानिकपुर, नगर पंचायत भवन मऊ का निर्माण, नवीन संकेत जूनियर हाईस्कूल का निर्माण, रेस्क्यू सेंटर का निर्माण, तुलसी वाटर फाल आदि निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो निर्माण कार्य चल रहे हैं।

# 'ये मेली पेंसिल है...' मामूली विवाद पर छात्र ने काटा 5 साल के साथी का गला, हालत गंभीर

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**रायबरेली।** उत्तर प्रदेश के रायबरेली से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां के ऊंचाहार में एक छात्र ने दूसरे छात्र का ब्लेड से गला काट दिया। पीड़ित बच्चे की उम्र पांच साल है। ब्लेड से गला कटने से मासूम छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मामला ऊंचाहार कस्बे के एक निजी स्कूल का है। बच्चा स्कूल में पढ़ने गया था। ये घटना तब घटी तब बच्चा स्कूल से घर वापस लौट रहा था। घटना की सूचना बच्चे के रिक्शा चालक ने परिजनों को दी जिसके बाद सभी घायल बच्चे को अस्पताल लेकर भागे।

जानकारी के मुताबिक, जिस बच्चे ने हमला किया वो भी पीड़ित के साथ उसी कि क्लास में पढ़ता है। दोनों में पेंसिल जैसी किसी मामूली

बात पर विवाद हो गया जिसके बाद बच्चे ने साथी बच्चे पर हमला कर दिया।

## मामूली बात को लेकर हुआ था विवाद

मामला ऊंचाहार कस्बे के एक निजी स्कूल का है। कोतवाली क्षेत्र के गांव गुजर का पुरवा मजरे कंदरावा निवासी राम शंकर का पांच साल का बेटा आदित्य इसी निजी स्कूल का छात्र है। गुरुवार की सुबह भी हर दिन की ही तरह वो स्कूल आया था। दोपहर बाद जब स्कूल में छुट्टी हुई तो उसके किसी साथी बच्चे से उसकी पैंसिल जैसी किसी बात को लेकर बहस होने लगी। हालांकि ये बात साफ नहीं है कि बात थी क्या, लेकिन जानकारी के मुताबिक, बच्चों में पैंसिल को लेकर बहस हुई थी। इसके बाद गुस्से में आने पर आरोपी बच्चे ने बैग से ब्लेड निकाला और साथी आदित्य के गले पर सीधा वार कर दिया।

## बच्चे के गले में गंभीर चोट

गले पर ब्लेड से वार करते ही आदित्य के शरीर पर गंभीर चोट आ गई और तेजी से खून बहने लगा। ये देखते ही बच्चों को स्कूल से ला रहे रिक्शा चालक ने रिक्शा रोका और आनन फानन में बच्चे के परिजनों को तुरंत खबर दी। इसके बाद वो बच्चे को तुरंत अस्पताल लेकर गए जहां उसकी गंभीर हालत देखकर डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया। उतनी देर में बच्चे का परिवार भी वहां पर भागता-भागता पहुंचा। सीएचसी अधीक्षक डॉ। मनोज शुक्ल ने बताया कि छात्र के गले में ब्लेड से वार किया गया है। उसका इलाज किया जा रहा है।

# युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

**महोली/सीतापुर।** इलाके में एक ग्रामीण की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि उसके साथियों ने उसके साथ मारपीट की जिसके कारण उसकी मौत हो गई। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के हरैया फतेहपुर निवासी भोजपाल 40 पुत्र लल्लू की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। भोजपाल की पत्नी बिट्टू का आरोप है कि बुधवार शाम भोजपाल घर से कारीपाकर बाजार गए थे। देर शाम तक वापस न आने पर तलाश की गई तो गांव के बाहर अमृत सरोवर के निकट गांव के ही पाल, हिटलर, जसकरन के साथ वह शराब के नशे में धुत मिले थे। जहां साथियों ने उससे कहा, तुम घर जाओ, हम सब लोग यहीं पर रुकेंगे। पत्नी का आरोप है कि सुबह भोजपाल घर न पहुंचने पर तलाश करते हुए वह तालाब के पास गई तो उसका पति उसी जगह पर अचेत अवस्था में मिला।

# रामपुर में दून एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश, रेलवे ट्रैक पर मिला 7 मीटर लंबा खंभा

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में एक बार फिर ट्रेन पलटाने की कोशिश की गई। कानुपर, गाजीपुर, देवरिया के बाद अब रामपुर जिले में ट्रेन पलटाने की साजिश रची गई। उत्तराखंड बॉर्डर से सटी कॉलोनी के पीछे से गुजर रही रेलवे लाइन पर टेलीकॉम का पुराना 7 मीटर लंबा खंभा रखा हुआ था, इस बीच वहां से देहरादून (दून) एक्सप्रेस गुजर रही थी। रेलवे ट्रैक पर खंभा रखा देख ट्रेन के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर बड़े हादसे को टाल दिया। रेलवे ट्रैक पर खंभा रखे होने की सूचना पर GRP और पुलिस-प्रशासन के अधिकारी आनन-फानन में मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने खंभे को ट्रैक से हटवाया, जिसके बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई।

यह घटना बीते बुधवार रात की है। बलवंत एन्क्लेव कॉलोनी के पीछे

से गुजर रही बिलासपुर रोड रुद्रपुर सिटी स्टेशन के किमी 43/10-11 रेलवे लाइन पर टेलीकॉम का पुराना लोहे का 7 मीटर लंबा खंभा रेलवे ट्रैक पर रखा हुआ था। बुधवार रात करीब 11 बजे वहां से गुजर रही देहरादून एक्सप्रेस (नंबर-12091) के लोको पायलट की नजर खंभे पर पड़ गई। यह देख उसने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दिया।

## GRP एसपी ने भी की जांच-पड़ताल

इस घटना की जानकारी देहरादून एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट के द्वारा स्टेशन मास्टर और GRP को दी गई। सूचना मिलते ही GRP और RPF टीम मौके पर पहुंच गई। थोड़ी देर बाद रामपुर SP ने भी जिले की पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। टीम ने खंभे को कब्जे में लेकर रात में ही सर्चिंग शुरू कर दी। मुरादाबाद से GRP SP विद्या सागर मिश्र भी घटनास्थल पर पहुंचे।

## रेलवे ट्रैक पर किसने रखा खंभा?

फिर गुरुवार सुबह अधिकारियों की टीम दोबारा घटनास्थल पर पहुंची। साथ ही आसपास के लोगों से जानकारी ली। लोगों ने बताया कि कॉलोनी के पीछे से गुजरने वाली रेलवे लाइन पर कुछ युवक नशा करते हैं। इसी वजह से आस-पास के इलाकों में छोटी-मोटी चोरियां भी होती हैं। यह काम उन्हीं लोगों का है। फिलहाल GRP, RPF और जिले की पुलिस इस खंभे को रखने वालों की तलाश में जुटी है।

# आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम बन रहा गोरखपुर: मुख्यमंत्री

## रामगढ़ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का सीएम योगी ने किया उद्घाटन

**आर्यावर्त संवाददाता**

**गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिस गोरखपुर के नाम से 15-20 साल पहले भय होता था, सात वर्ष पूर्व जहां सुविधाओं की कल्पना ही बेमानी थी, वही गोरखपुर अब आधुनिक सोच के साथ विकास और रोजगार का संगम और नया पर्यटन हब बन रहा है।

सीएम योगी गुरुवार को रामगढ़ताल में बने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट 'फ्लोट' का बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद ताल की जेटी पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की आवासीय परियोजना ग्रीनवुड अपार्टमेंट के सात आवंटियों को आवंटन प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग आज से डेढ़ दशक पहले गोरखपुर के नाम से डरते थे। सात वर्ष पूर्व तक भी गोरखपुर विकास से कोसों दूर था। आज जिस स्थान (रामगढ़ताल क्षेत्र) पर यह आयोजन हो रहा है, वहां तो आना ही सपना था। मुख्यमंत्री ने कहा रामगढ़ताल गोरखपुर की गंदगी और अपराध का गढ़ बन चुका था। सर्किट हाउस में रुकने वाले अतिथियों और मंत्रियों के लिए अलग से फोर्स लगानी पड़ती थी। गोरखपुर का खाद कारखाना बंद हो चुका था। यहां का बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं बीमार हो गया था। गोरखपुर के लोगों को दिनभर जाम में फंसना पड़ता था।

बीते सात साल में आए बदलाव की चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि आज गोरखपुर में फोर और सिक्सलेन की सड़कें हैं। यहां का एयरपोर्ट देश के व्यस्त एयरपोर्टस में से एक है। गोरखपुर में रेलवे की बेहतरीन कनेक्टिविटी है। खाद कारखाना फिर से चालू हो चुका है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का बेहतरीन केंद्र बन गया है। साथ ही एम्स भी संचालित है।

### मृतप्राय थी रामगढ़ झील, अब नई आभा से आकर्षित कर रही पर्यटकों को

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामगढ़ताल कभी मृतप्राय हो चला था। जबकि आज 1800 एकड़ में फैली यह प्राकृतिक झील पर्यटकों को नई आभा के साथ आकर्षित कर रही है। यहां नए-नए होटल खुल रहे हैं। रामगढ़ताल में क्रूज की सुविधा पहले ही शुरू हो गई थी। आज फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का भी शुभारंभ हो गया है। अब प्राकृतिक झील के किनारे जलपान और भोजन करने का मन हुआ तो यह सुविधा गोरखपुर में ही उपलब्ध हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा आधुनिक सोच के साथ विकास भी हो रहा है और यह विकास रोजगार का भी माध्यम बन रहा है।

### गोरखपुर में गेस्ट और पर्यटकों को मिलेगी फाइव स्टार सुविधा

सीएम योगी ने कहा कि अब गोरखपुर आने वाले अतिथियों और पर्यटकों को फाइव स्टार सुविधा मिलेगी। उन्होंने बताया कि रामगढ़ताल के चारों तरफ रिंग रोड बन रहा है। इससे लोगों को परिवार के साथ निकलने, गेस्ट और पर्यटकों के लिए दिनभर का कार्यक्रम बन जाएगा। चारों तरफ झील की खूबसूरती को देखने के बाद क्रूज और फ्लोटिंग रेस्टोरेंट चले गए और फिर चिड़ियाघर जाकर प्रकृति के साथ आनंद उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शानदार लाइटिंग से गोरखपुर में रात्रि का नजारा बेहद आकर्षक लगता है। सीएम ने विश्वास व्यक्त किया कि फ्लोटिंग रेस्टोरेंट स्थानीय लोगों और देश-दुनिया के पर्यटकों को बेहतरीन सुविधाएं देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शानदार कनेक्टिविटी से अब यहां होटलों की चेन खुलने जा रही है। जल्द ही कन्वेंशन सेंटर भी बनने जा रहा है।

क्वालिटी के साथ समय से पहले पूरा करें ग्रीनवुड अपार्टमेंट का निर्माण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रीनवुड अपार्टमेंट के आवंटियों को शुभकामनाएं देते हुए जीडीए के अफसरों को निर्देशित किया कि अपार्टमेंट का निर्माण क्वालिटी को ध्यान में रखते हुए समय से छह माह पूरा करें। उन्होंने कहा कि जीडीए ने इसे जुलाई 2027 में पूरा करने का लक्ष्य तय किया है लेकिन कोशिश होनी चाहिए कि 2027 में मकर संक्रांति के पूर्व ही निर्माण पूर्ण कर आवंटियों को सौंप दें ताकि आवंटी अपने आवास में मकर संक्रांति मना सकें और मकर संक्रांति का प्रसाद अपने इस आवास में ग्रहण कर सकें। उन्होंने कहा कि ग्रीनवुड अपार्टमेंट अच्छे वातावरण में बन रहा है और यहां के फ्लैट्स की कीमतें कुछ ही सालों में कई गुना बढ़ जाएंगी।

### सीएम योगी के नेतृत्व में हुआ गोरखपुर का ऐतिहासिक विकास : रविकिशन

इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि गोरखपुर पहले क्या था यह किसी से छिपा नहीं है और अब क्या हो गया है यह भी सभी लोग देख रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मात्र सात साल में गोरखपुर में ऐतिहासिक विकास हुआ है। गोरखपुर में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की सौगात सीएम योगी की प्रेरणा से ही मिली है। उन्होंने कहा कि एक फिल्म स्टार होने के चलते मैं मुंबई से भी जुड़ा हूं लेकिन अब मुझे गोरखपुर मुंबई से भी सुंदर लगता है।

समारोह में डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ला, जीडीए बोर्ड के सदस्य दुर्गेश बजाज, पवन त्रिपाठी, राधेश्याम श्रीवास्तव, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन ने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट और ग्रीनवुड अपार्टमेंट प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

### फ्लोटिंग रेस्टोरेंट का सघन निरीक्षण किया मुख्यमंत्री ने

रामगढ़ताल की जेटी पर बटन दबाकर उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में पहुंचे। यहां उन्होंने प्रवेश द्वार पर फीता काटा और सभी स्टाफ को रेस्टोरेंट शुभारंभ की बधाई दी। इसके बाद उन्होंने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के सभी तलों पर भ्रमण कर उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और प्रसन्नता जताई। इस दौरान फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के प्रबंध निदेशक आलोक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को यहां दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर सूक्ष्म जलपान भी किया।

### फाइव स्टर सुविधाओं वाला है फ्लोटिंग रेस्टोरेंट

रामगढ़ताल में बना है फ्लोटिंग रेस्टोरेंट फाइव स्टार सुविधाओं वाला है। जीडीए का दावा है कि यह उत्तर भारत का पहला फ्लोटिंग रेस्टोरेंट है। कुल 9600 वर्गफुट क्षेत्रफल और तीन मंजिला इस फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में एकसाथ 100 से 150 आगंतुक बैठ सकते हैं। 'फ्लोट' का संचालन करने वाली कंपनी के प्रबंध निदेशक आलोक अग्रवाल बताते हैं कि ग्राउंड फ्लोर से पहले और दूसरे फ्लोर तक लिफ्ट की भी सुविधा है। ग्राउंड फ्लोर पर बने फूड कोर्ट में शुद्ध शाकाहारी लजीज व्यंजनों की लंबी श्रृंखला है। जबकि पहले फ्लोर पर संगीतमय अंदाज में पार्टी की जा सकेगी। दूसरा फ्लोर ओपन रूफटॉप का है जहां खुले में बैठकर ताल का दीदार करने के साथ व्यंजनों का स्वाद लिया जा सकता है। पूरे फ्लोटिंग रेस्टोरेंट की डिजाइन ऐसी है कि इसमें बैठने वालों को रामगढ़ताल की खूबसूरती पूरी तरह दिखेगी। इसके निर्माण पर दस करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है और इसे इंडियन रजिस्ट्रार ऑफ शिपिंग के मानकों के अनुरूप बनाया गया है।

### कुल 479 फ्लैट्स होंगे ग्रीनवुड अपार्टमेंट में

ग्रीनवुड अपार्टमेंट रामगढ़ताल के समीप 5.20 एकड़ में बनाया जा रहा है। 374.49 करोड़ रुपये की लागत और मिवान तकनीकी से बनने वाले इस आवासीय प्रोजेक्ट में थ्री बीएचके एचआईजी के 300 तथा फोर बीएचके एचआईजी के 179 फ्लैट्स बनेंगे। इस अपार्टमेंट का निर्माण जुलाई 2027 तक पूर्ण कराने का लक्ष्य है।

# महाकुंभ में स्नानार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को हाई टेक स्वरूप प्रदान कर रही है योगी सरकार

» **महाकुंभ में पहली बार पानी के नीचे निगरानी के लिए अंडर वाटर ड्रोन और सोनार का होगा इस्तेमाल**

**आर्यावर्त संवाददाता**

**प्रयागराज।** त्रिवेणी के पावन तट पर जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ को प्रदेश की योगी सरकार दिव्य , भव्य और नव्य स्वरूप देने के साथ इसकी सुरक्षा पर भी पूरा ध्यान दे रही है। सम्पूर्ण कुंभ मेला क्षेत्र में कल्पवासियों के साथ ही आने जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं।

### अंडर वाटर ड्रोन और सोनार की ली जायेगी मदद

त्रिवेणी की पावन जल धारा में पुण्य की डुबकी लगाते समय श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर इस बार योगी सरकार बार कई नए कदम उठा रही है। कुंभ मेला अधिकारी विजय किरण आनंद का कहना है कि कुंभ मेला में आगंतुकों की सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता है । इसके लिए घाटों और नदियों में सामान्य परिस्थितियों से लेकर किसी भी दुर्घटना की स्थिति में विशेष सुरक्षा सतर्कता रहेगी।

अंडर वाटर सेफ्टी के लिए पहली बार कई नई व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मेला में घाटों की संख्या का विस्तार होने की वजह अब नदियों में आठ किलोमीटर लंबी डीप वाटर बैरिकेटिंग बनाई जाएगी।

नदियों की सतह और जल के अंदर की सुरक्षा पीएसी और जल पुलिस को सौंपी गई है। पीएसी जल के अंदर सुरक्षा के लिए इस बार कई नए प्रयोग करने जा रही है। डीआईजी पूर्वी जोन पीएसी राजीव नारायण मिश्रा ने बताया कि पहली बार जल के अंदर अंडर वाटर ड्रोन भी निगरानी के लिए लगाए जायेंगे। दुर्घटना के समय पानी के नीचे जन धन की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए इस बार सोनार रेडियो तरंगों का उपयोग किया जायेगा।

### घाटों और नदियों के बीच निगरानी करेगी वाटर स्कूटर ब्रिगेड

जलीय क्षेत्र में किसी भी आकस्मिक जरूरत में क्विक रिएक्शन के लिए पहली बार वाटर स्कूटर ब्रिगेड भी मौजूद रहेगी। डीआईजी पूर्वी जोन पीएसी के मुताबिक यह ब्रिगेड को 25 वाटर स्कूटर से लैस होगी जो जरूरत पड़ने पर तुरंत ही मदद के लिए मौके पर पहुंच सकेगी। इसके लिए 6 लाख 25 हजार की राशि स्वीकृत हुई है। इसके अलावा दो फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन भी बनेंगे । इन्हे संगम और वीआईपी घाट में बनाया जाएगा। तैरती जेटी पर प्राथमिक उपचार के साथ दुर्घटना की स्थिति में निपटने के लिए सभी आवश्यक उपकरण भी होंगे। अलग से नावें और अनाकोंडा बोट भी पीएसी को उपलब्ध कराई जाएंगी। इन सभी उपकरणों की खरीद के लिए एक अक्टूबर से टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

# 25 सितम्बर तक करें परीक्षा केन्द्र के लिए आवेदन

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा केंद्र निर्धारण प्रक्रिया की आधिकारिक समय-सारिणी जारी कर दी है। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षा की शुचिता, गुणवत्ता, और नकल-विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्रों का निर्धारण ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

समय-सारिणी के अनुसार, परीक्षा केंद्रों का निर्धारण 25 सितंबर, 2024 से शुरू होकर 28 नवंबर, 2024 तक पूरा किया जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत सभी विद्यालयों को अपने संस्थान की भौतिक संसाधनों से संबंधित सूचनाएं परिषद की वेबसाइट नचउेचमकनपद पर 25 सितंबर, 2024 तक अपलोड करनी होंगी। इसके बाद गठित तहसील स्तरीय समिति द्वारा रिमोट सेंसिंग में त्रुटिपूर्ण पाए गए विद्यालयों को अपने सही जियोलोकेशन विवरण 30 सितंबर, 2024 तक मोबाइल एप के जरिए अपलोड करने होंगे। विद्यालयों द्वारा अपलोड की गई जानकारी का भौतिक सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा गठित तहसील स्तरीय समिति द्वारा 15 अक्टूबर, 2024 तक किया जाएगा। इसके बाद यह समिति जिलाधिकारी को अपनी अभ्युक्ति सहित रिपोर्ट देगी, जिसे 20 अक्टूबर, 2024 तक ऑनलाइन अपडेट किया जाएगा। इसके आधार पर ऑनलाइन चयनित परीक्षा केंद्रों की सूची 2 नवंबर, 2024 तक सार्वजनिक की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक, समाचार पत्रों के माध्यम से विज्ञप्ति जारी कर प्रधानाचार्य, प्रबंधक, छात्र, और अभिभावकों से आपत्तियां और शिकायतें 6 नवंबर, 2024 तक प्राप्त करेंगे। इन आपत्तियों का निस्तारण 11 नवंबर, 2024 तक किया जाएगा।

# सरकारी अधिकारी लेंगे 125 टीबी मरीजों को गोद

» **उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की प्रेरणा से आगे आए स्वास्थ्य विभाग के ये अधिकारी**

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की प्रेरणा से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी 125 ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) मरीजों को गोद लेंगे। शनिवार को एसजीपीजीआई में स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में सचिवालय और महानिदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के ये अधिकारी सभी मरीजों को निःक्षय पोटली वितरित करेंगे।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता में वृद्धि और

टीबी कार्यक्रम को जनांदोलन बनाने की प्राथमिकता के साथ प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए सूबे की सरकार के प्रयास जारी हैं। सरकार और अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और प्रयासों के फलस्वरूप, टीबी मुक्त प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे निःक्षय मित्र के साथ-साथ निःक्षय पोषण योजना सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। निःक्षय पोषण योजना के अंतर्गत, टीबी मरीजों को हर माह पोषण सहायता राशि के रूप में 500 रुपए सीधे उनके खाते में भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में 39151 निक्षय मित्रों के माध्यम से लगभग 330985 टीबी रोगियों की मदद की जा रही है।

प्रमुख सचिव ने आमजन से अपील की कि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को जनआन्दोलन बनांते हुए सभी को अपने-अपने सम्बद्ध कार्यालयों / संस्थानों के माध्यम से टीबी जैसे गंभीर रोग के बारे में हर स्तर पर जागरूकता फैलाने के संभव प्रयास करने होंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस रोग को हराने के लिए टीबी मरीजों की हर संभव सहायता की जाए। यदि हम सब एक साथ मिलकर सामूहिक प्रयास करें तो टीबी मुक्त प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

# गरीब परिवारों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ कराने में जुटी योगी सरकार

## 2025-26 सत्र में आरटीई के तहत पात्र छात्रों को प्रवेश दिलाने के लिए अभी से शुरू की गई तैयारी

» **प्रत्येक चरण में पहली से 19 तारीख तक छात्र कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन**

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** गरीब परिवारों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके, इसको लेकर योगी सरकार लगातार काम कर रही है। इसी क्रम में राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के तहत गरीब और दुर्बल आय वर्ग के बच्चों को गैर सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिए सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने ऐसे बच्चों की पढ़ाई को हर हाल में एक अप्रैल से शुरू कराने और प्रवेश सम्बन्धी सभी औपचारिकताओं को मार्च 2025 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा-1 व पूर्व प्राथमिक कक्षा में 25 प्रतिशत प्रवेश दिया जाना अनिवार्य है। इसी के अनुपालन में योगी सरकार का बेसिक शिक्षा विभाग अभी से जुट गया है और आगामी सत्र में इसे अमलीजामा पहनाने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

### चार चरणों में पूरा होगा चयन और प्रवेश दिलाने की कार्यवाही

योगी सरकार की यह तैयारी सत्र 2025-26 में अलाभित और दुर्बल परवारों के होनहारों को अच्छी और निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक यह प्रक्रिया चार चरणों में पूरी कराई जाएगी। प्रवेश दिलाने के लिए पात्र छात्रों के चयन के लिए आन लाइन आवेदन प्रक्रिया अपनाई जा रही है। जिन दुर्बल परिवारों के बच्चों को गैर सहायतित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में प्रवेश लेना है, उन्हें ऑनलाइन आवेदन करना होगा। चार चरणों में पूरा होने वाली इस प्रक्रिया में आवेदन की निर्धारित तिथि के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सत्यापन किया जाएगा और उसके बाद लॉक हुए आवेदन पत्रों की लॉटरी होगी। लॉटरी में निकले नामों को सूचीबद्ध कर विद्यालयों के आवंटन की सूची जारी कर दी जाएगी।

### इन तिथियों में आवेदन का मौका

प्रत्येक चरण में पहली से 19 तारीख तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। प्रथम चरण में ऑनलाइन आवेदन के लिए 01 से 19 दिसंबर तक का समय निर्धारित है, जबकि दूसरा चरण 01 से 19 जनवरी 2025 और तीसरा और चौथा चरण क्रमशः 01 से 19 फरवरी तथा 01 से 19 मार्च 2025 निर्धारित है। बता दें कि आवेदनों के प्राप्त होने बाद प्रत्येक चरण की 20 से 23 तारीख के बीच सम्बन्धित बीएसए द्वारा उनका सत्यापन कर उन्हें लॉक करने की कार्यवाही की जाएगी। 24 तारीख को लाटरी और 27 तारीख को चयनित छात्रों के प्रवेश के लिए गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के आवंटन की सूची जारी कर दी जाएगी। इस सम्बन्ध में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि पिछले सत्र में जुलाई माह तक इनके प्रवेश की प्रक्रिया चलती रही। इससे इनकी पढ़ाई प्रभावित हुई थी, लेकिन अब हमने अलाभित समूह व दुर्बल परिवारों के बच्चों के गैर सहायतित विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया हर हाल में मार्च तक पूरा करने व चयनित बच्चों को प्रवेश दिलाने का निर्णय लिया है ताकि, पहली अप्रैल से इनकी विधिवत पढ़ाई शुरू हो सके।

# प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को 'मिशन कर्मयोगी' से जोड़ रही योगी सरकार

» **अब तक 28,881 कर्मचारी और अधिकारियों ने पूरा किया प्रशिक्षण**

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) को सुधारना और उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार कुशल बनाने के लिए पीएम मोदी द्वारा शुरू किए गए मिशन कर्मयोगी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। पीएम मोदी के विजन के अनुरूप और सीएम योगी के नेतृत्व में प्रदेश में तैनात ज्यादा से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए स्थापित इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग (आईजीओटी) पोर्टल में 94 हजार से ज्यादा सरकारी कर्मचारी और अधिकारी ऑनबोर्ड या रजिस्टर्ड हो चुके हैं। वहीं, 45 हजार से ज्यादा ने पाठ्यक्रम में अपना नामांकन कराया है, जिसमें करीब 29 हजार ने कोर्स पूरा कर लिया है। इनमें करीब 6 हजार अधिकारी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 2 सितंबर, 2020 को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'मिशन कर्मयोगी' को शुरू करने की मंजूरी प्रदान की थी।

### अभियान चलाकर किया गया वर्कशॉप्स का आयोजन

हाल ही में मुख्य सचिव के समक्ष उत्तर प्रदेश एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट (यूपीएएएम) के प्रस्तुतिकरण में मिशन कर्मयोगी में उत्तर प्रदेश की भागीदारी की जानकारी दी गई। उपाम के डीजी वेंकटेश्वर लू और अपर निदेशक सुनील कुमार चौधरी ने यह प्रस्तुतिकरण दिया। अपर निदेशक सुनील कुमार चौधरी ने बताया कि आई-जीओटी पोर्टल पर प्रदेश के 43 विभागीय नोडल अधिकारी नामित किए जा चुके हैं। वहीं, 94 हजार से ज्यादा ऑफिशियल्स ऑनबोर्ड या रजिस्टर हो चुके हैं। 45 हजार से ज्यादा कोर्स इनरोलमेंट के साथ ही 28,881 ने कोर्स कंप्लीट कर लिया है। इनमें 5,921 ऑफिशियल्स ने भी अपना कोर्स कंप्लीट कर लिया है। योगी सरकार ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में कर्मचारी टू कर्मयोगी अभियान के माध्यम से वर्कशॉप्स का आयोजन किया, जिसके तहत प्रदेश के 14 ट्रेनिंग इंस्टीट्यूस में अभियान के तहत कर्मचारी टू कर्मयोगी ट्रेनिंग प्रदान की गई। वहीं, 10 जिलों में फील्ड विजिट करके वर्कशॉप्स का आयोजन किया गया। इसी तरह 8 विभागों में अब तक वर्कशॉप का आयोजन किया जा चुका है।

### कार्यक्रम लागू करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा उपाम

उत्तर प्रदेश में मिशन कर्मयोगी को लागू करने के लिए उत्तर प्रदेश एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट (उपाम) सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत उपाम से अपेक्षा की गई है कि वह प्रत्येक विभागों और राज्य के विभिन्न संगठनों के लिए नोडल अधिकारी और एमडीओ (MDO) को नामित करेगा। इसके साथ ही हर नोडल अधिकारी और एमडीओ को आईगॉट पोर्टल पर शामिल करेगा। यही नहीं, प्रत्येक विभाग के सभी कर्मियों को नोडल अधिकारियों के माध्यम से पोर्टल पर शामिल किया जाएगा। इसके अलावा कर्मियों और पाठ्यक्रम सामग्री को विभागों द्वारा अपलोड करने के संबंध में मासिक बैठक का आयोजन करना और विभिन्न विभागीय नोडल अधिकारियों द्वारा पोर्टल पर अपलोड किए गए कर्मियों और पाठ्यक्रम सामग्री के ऑनबोर्डिंग की निगरानी करना भी उसकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल है।

### कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाना है उद्देश्य

मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य सिविल सेवकों की कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाने पर केंद्रित है, ताकि वे देश की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकें। इस मिशन के माध्यम से सिविल सेवकों के व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के लिए लगातार शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मिशन कर्मयोगी के तहत, सरकार कर्मचारियों को नई तकनीक, नेतृत्व कौशल और प्रशासनिक सुधारों से परिचित कराती है, जिससे वे अधिक कुशलता और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें। साथ ही इसमें विभिन्न स्तरों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रम शामिल हैं, ताकि वे अपने कार्यक्षेत्र में लगातार निपुणता प्राप्त कर सकें। इसके लिए आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल निर्मित किया गया है, जहां सरकारी कर्मियों को उनकी योग्यता और कौशल को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों की सुविधा दी जाती है।

# समस्त राजकीय एवं वित्त पोषित संस्थाओं में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत गतिविधियां संचालित किये जाने हेतु गाइडलाइन जारी

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** प्रदेश में "स्वच्छता ही सेवा (एस0एच0एस0), 2014" के अंतर्गत 17 सितंबर, 2024 से 2 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित होने वाले विशेष स्वच्छता अभियान के संबंध में महिला कल्याण विभाग ने जनपदों में संचालित समस्त राजकीय एवं वित्त पोषित संस्थाओं में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत गतिविधियां संचालित किये जाने हेतु प्रदेश के समस्त जिलाधिकारियों के लिए गाइडलाइन जारी कर दिया है।

प्रमुख सचिव, महिला कल्याण लीना जौहरी की ओर से जारी शासनादेश में दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि संस्था के परिसर में फॉगिंग, नियमित रूप से पेयजल की व्यवस्था और भंडारण टैंक एवं ओवर हैड टैंक की नियमित सफाई कराई जाये। संस्था में पर्याप्त संख्या में शौचालय की उपलब्धता एवं बाल व दिव्यांगजन हेतु अनुकूल व्यवस्था के साथ संस्था की आवश्यकतानुसार रंग रोगन कराया जाये। पर्याप्त स्थान की उपलब्धता पर न्यूट्री-किचन गार्डन विकसित किये जायेगें तथा वृक्षारोपण अभियान चलाया जाये। आवश्कतानुसार लघु निर्माण कार्य का प्रस्ताव संबंधित जनपद के लोक निर्माण विभाग से प्राप्त कर अलग से उपलब्ध कराया जाये। संस्था में आवासित बच्चों और कार्मिकों के साथ श्रमदान, स्वास्थ्य, हाइजीन एवं स्वच्छता जैसे विषयों पर समूह चर्चा का आयोजन किया जाये। बाल समिति द्वारा कमरों, शौचालयों, भोजन एवं कपड़ों आदि की साफ-सफाई का निरक्षण किया जाये। बच्चों और कार्मिकों को व्यक्तिगत स्वच्छता हेतु प्रोत्साहित किया जाये। स्वच्छता एवं स्वास्थ्य विषय पर वेबिनार, कार्यशाला, फिल्म, शो एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाये। इसी प्रकार सैनिटाइजेशन तथा वॉशरूम में हैंड सैनिटाइजर, साबुन की नियमित व्यवस्था, सैपटिक टैंकों की नियमित सफाई कराई जाये।

# अखिलेश यादव से किनारा करती कांग्रेस और राहुल गांधी

**कांग्रेस** का समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर नजरिया बदलता जा रहा है। अब कांग्रेस और राहुल गांधी सपा प्रमुख अखिलेश यादव को वह अहमियत नहीं दे रही है जो उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के समय दी थी। वर्ष 2017 के यूपी विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन करके चुनाव लड़ने वाली समाजवादी पार्टी और कांग्रेस एक-दूसरे के प्रति जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं उससे यही लगता है कि जल्द ही कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन का दौर खत्म हो सकता है। इतना ही नहीं पिछले कुछ समय से जिस तरह से अखिलेश यादव और बसपा सुप्रीमों मायावती के बीच दूरियां बढ़ी हैं उससे भी अखिलेश यादव अपने आप को अकेला महसूस कर रहे हैं। यूपी की दस विधान सभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव में यदि समाजवादी पार्टी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाई तो उसके लिये आगे के लिये अपनी साख बचाना मुश्किल हो जायेगा। वैसे भी मायावती ने उप चुनाव में बसपा के भी प्रत्याशी उतारने की बात कहकर अखिलेश की धड़कने बढ़ा ही रखी हैं।

बात कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ती खाई की कि जाये तो पिछले कुछ महीनों में राहुल गांधी एक परिपक्त नेता की तरह आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने अपना गोल निर्धारित कर लिया है उसी के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं। जातीय जनगणना और मुस्लिमों को लुभाने में राहुल गांधी हिन्दुओं पर आक्रमक होने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं।जिसका उन्हें हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में फायदा होता भी दिख रहा है।

उधर, पहले मध्य प्रदेश और अब हरियाणा में कांग्रेस ने सपा को एक भी सीट नहीं देकर यह संदेश दे दिया है कि उसके लिये समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश से बाहर मायने नहीं रखती है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में भी देखने को मिल रहा है। कांग्रेस की बैसाखी के सहारे सपा महाराष्ट्र मे अपनी ताकत बढ़ाने की जो कोशिश कर रही थी, उस पर भी पानी फिरता दिख रहा हैं। वैसे सपा की महाराष्ट्र यूनिट ने 12 सीटों पर प्रत्याशी तय कर दिए हैं। यूपी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, विधायक इंद्रजीत सरोज, तूफानी सरोज और प्रभारी बनाया गया है। कुल मिलाकर दूसरे प्रदेशों में अपनी जड़े मजबूत करने का सपना देख रहे अखिलेश यादव को कांग्रेस से लगातार झटके पर झटका ही मिल रहा है। महाराष्ट्र इस कड़ी का नया हिस्सा बन गया है। सपा के पास विकल्प की बात की जाये तो वह फिलहाल सिर्फ यूपी विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस को इसका जवाब दे सकती है। यूपी में सपा की स्थिति कांग्रेस से कहीं अधिक मजबूत है।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में यूपी में 37 सीटें जीतने वाली सपा दूसरे राज्यों की विधानसभाओं में खाता खोलकर राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त करना चाहती है। दूसरे राज्यों में सपा का संगठन उतना प्रभावी नहीं है, जितना उत्तर प्रदेश में है। ऐसे में सपा ने कांग्रेस के सहारे चुनाव मैदान में उतरने की कोशिश कई बार की है। पहले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा, कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहती थी। उस चुनाव में कांग्रेस के सपा से गठबंधन न करने पर सपा ने अपने दम पर 22 प्रत्याशी उतारे थे। सपा का खाता तो नहीं खुला, लेकिन कांग्रेस को कुछ सीटों पर नुकसान जरूर हुआ।

इसी तरह से हरियाणा की मुस्लिम और यादव बहुल 12 विधानसभा सीटों पर सपा ने कांग्रेस से गठबंधन करने का प्रयास किया था। बात पांच और फिर तीन सीट पर आकर टिक गई थी। कांग्रेस ने अपनी सूची जारी की तो एक भी सीट सपा के लिए नहीं छोड़ा। हालांकि, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 'बात सीट की नहीं, जीत की है' कहकर गठबंधन धर्म निभाने के लिए त्याग करने के संकेत दे दिए हैं। हरियाणा के सपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह भाटी भी कहते हैं कि तीन सीटों को लेकर कांग्रेस आलाकमान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को संदेश भेजा था। संगठन ने पूरी तैयारी की, लेकिन कांग्रेस इससे पीछे हट गई। वहीं, दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर की 20 सीटों पर सपा ने कांग्रेस गठबंधन नहीं होने पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और सपा आमने-आमने है। अखिलेश के जम्मू-कश्मीर में प्रचार के लिए भी जाने की तैयारी है। यहां भी अखिलेश को यूपी की तरह मुस्लिम वोट सपा को मुस्लिम वोट मिलने की उम्मीद है।

# केरल और चार अन्य गैर-भाजपा राज्यों ने करों में उचित हिस्सेदारी की मांग की

**सम्मेलन में पांच गैर-भाजपा शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में 'एक ही आकार सभी के लिए उपयुक्त' की केन्द्रीय नीति में संशोधन की मांग की क्योंकि सभी राज्यों की स्थितियां भिन्न हैं**

पी. श्रीकुमारन

**सम्मेलन** में पांच गैर-भाजपा शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में 'एक ही आकार सभी के लिए उपयुक्त' की केन्द्रीय नीति में संशोधन की मांग की क्योंकि सभी राज्यों की स्थितियां भिन्न हैं । वित्त मंत्रियों ने उपकर और अधिभार पर सीमा लगाने की जोरदार मांग की।

एक निर्णायक कदम उठाते हुए, पांच राज्यों के वित्त मंत्रियों के एक सम्मेलन ने केंद्र सरकार द्वारा वसूले जाने वाले उपकर और अधिभार पर सीमा लगाने के अलावा राज्यों को संसाधनों का उचित और न्यायसंगत बंटवारा करने की मांग की है। पिछले सप्ताह तिरुवनंतपुरम में केरल की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब के वित्त मंत्रियों ने भी भाग लिया। इस सम्मेलन में केंद्र-राज्य राजकोषीय संबंधों में बढ़ते असंतुलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की गयी। सम्मेलन में पांच गैर-भाजपा शासित राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में 'एक ही आकार सभी के लिए उपयुक्त' की केन्द्रीय नीति में संशोधन की मांग की क्योंकि सभी राज्यों की स्थितियां भिन्न हैं। वित्त मंत्रियों ने उपकर और अधिभार पर सीमा लगाने की जोरदार मांग की ताकि सीमा से ऊपर की कोई भी राशि विभाज्य पूल में जाये।

सम्मेलन का उद्घाटन करने वाले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 16वें वित्त आयोग का ध्यान आकर्षित किया और कहा कि वह अपनी सिफारिशों का मसौदा तैयार करते समय उपकर और अधिभार में बढ़ती प्रवृत्ति को ध्यान में रखे। पिनाराई ने कहा, 'पिछले दशक में अधिभार और उपकर में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी है और अब यह संघ के सकल कर राजस्व का पांचवां हिस्सा है। इसका सीधा परिणाम करों के विभाज्य पूल का सिकुड़ना है।'

केंद्र सरकार द्वारा एकत्र किये जाने वाले करों में राज्यों के लिए अधिक हिस्सेदारी की मांग 'निरंतर प्रासंगिकता' रखती है। संतुलन बनाने की प्रक्रिया में, 16वें वित्त आयोग को कर वितरण के फार्मूले पर निर्णय लेने में अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी तथा जरूरतमंद राज्यों को अनुदान वितरित करने के लिए अनुच्छेद 275 के संवैधानिक प्रावधानों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना होगा।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री तथा वित्तमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने वास्तविक संघीय व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए केंद्र-राज्यों के बीच शक्ति संतुलन को पुनः संतुलित करने की मांग की।

तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगमथेन्नारासु ने विभाज्य पूल में राज्यों की हिस्सेदारी 41 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु को लगातार वित्त आयोगों द्वारा बार-बार दंडित किया गया है, तथा नौवें वित्त आयोग के तहत इसकी हिस्सेदारी 7.93 से घटकर 15वें वित्त आयोग के तहत 4.07 प्रतिशत रह गयी है।

कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने 16वें वित्त आयोग से केंद्र सरकार द्वारा लगाये जाने वाले उपकर तथा अधिभार को सकल कर राजस्व के पांच प्रतिशत पर सीमित करने को कहा। इससे ऊपर की कोई भी चीज विभाज्य पूल का हिस्सा बननी चाहिए। यही तमिलनाडु की मांग है।

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने स्वीकार किया कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शुरूआत एक ऐतिहासिक सुधार था, लेकिन उन्होंने महसूस किया कि इसने राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता को गंभीर रूप से कम कर दिया है।

सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले केरल के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने महसूस किया कि सहकारी संघवाद एक बड़े संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह तेजी से 'अधीनस्थ संघवाद' या 'जबरदस्ती संघवाद' बनता जा रहा है।

सम्मेलन में यह आशंका भी व्यक्त की गयी कि लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से दक्षिणी राज्यों के हितों को नुकसान पहुंचेगा।

तेलंगाना ने इसे एक 'बढ़ते राजनीतिक खतरे' के रूप में देखा, जिससे लोकसभा में दक्षिणी राज्यों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो जायेगा। उन्हें यह भी डर था कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण और सामाजिक विकास को प्राथमिकता दी है, उन्हें अनुचित रूप से दंडित किया जा सकता है, जबकि उच्च जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को लोकसभा में असंगत प्रतिनिधित्व मिल सकता है।

कर्नाटक ने तेलंगाना द्वारा व्यक्त की गयी आशंकाओं से खुद को जोड़ा। यदि यह प्रक्रिया आगामी जनगणना पर आधारित है तो संसद में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जायेगा। राज्य के वित्त मंत्री ने कहा कि यह एक अजीब विरोधाभास है कि एक तरफ दक्षिणी राज्यों का आर्थिक योगदान बढ़ रहा है, जबकि दूसरी तरफ इस बात की पूरी संभावना है कि उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है और दक्षिणी राज्यों को पूरी ताकत से इसका विरोध करना चाहिए। दोपहर के सत्र में भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने मुख्य भाषण दिया।

## अजब-गजब

# यहां मिला 'पिशाच' बच्चों का कंकाल! मरने के बाद लौट न सकें इसलिए काट दिया था सिर

**पोलैंड** में हुई एक डरावनी खोज ने मध्यकालीन यूरोप में प्रचलित पिशाचों से जुड़े अंधविश्वासों और दफन प्रथाओं पर नई रोशनी डाली है। यहां खुदाई के दौरान 13वीं शताब्दी के बच्चों के कंकाल मिले हैं, जिन्हें 'पिशाच विरोधी दफन' माना जा रहा है। इन अवशेषों में से एक का सिर काटकर धड़ से अलग किया गया था और शरीर को पत्थरों से दबा दिया गया था, ताकि पुनर्जीवित होकर पिशाच न बने।

यह खोज मध्यकालीन पूर्वी यूरोप के पिशाचों से जुड़े गहरे अंधविश्वासों और डर का प्रतीक है, जब माना जाता था कि मृतकों का पुनरुत्थान उनके वापस पिशाच या राक्षस बनने का कारण बन सकता है। ऐसे दफन स्थल उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं को दर्शाते हैं, जो समाज के भीतर गहराई से जुड़ी हुई थीं।

ल्यूबेल्स्की वोइवोडीशिप कंजर्वेटर ऑफ मॉन्यूमेंट्स के पुरातत्वविद् डॉ। स्टैनिस्लाव गोलुब ने इस खुदाई का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि चेलम स्थित यूनीएट बिशप्स पैलेस में चल रहे उद्यान नवीनीकरण परियोजना के लिए जब मजदूर पेड़ों की जड़ें हटा रहे थे, तब उन्हें ये कंकाल मिले थे।

पुरातत्वविदों का मानना है कि चेहरा नीचे की ओर करके दफनाना, सिर को धड़ से अलग करना और शरीर को पत्थरों से दबा देना जैसी क्रियाएं उस समय पिशाचों के पुनर्जीवन को रोकने की कोशिश थीं। मध्यकालीन यूरोप, विशेष रूप से पूर्वी यूरोप में, पिशाचों से जुड़े अंधविश्वास काफी प्रचलित थे। इस प्रकार के दफन स्थल उन सामाजिक विश्वासों और अंधविश्वासों की झलक दिखाते हैं, जो लोगों में राक्षसी शक्तियों के डर से जुड़े हुए थे।

पॉपुलर साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि बच्चों को किसी भी ज्ञात कब्रिस्तान से दूर, ताबूत या पारंपरिक अंत्येष्टि आभूषणों के बिना दफनाया गया था। इससे पता चलता है कि स्थानीय लोगों ने कुछ समय तक इस क्षेत्र का उपयोग अघोषित रूप से शवों को दफनाने के लिए किया होगा।

शोधकर्ता अब इन अवशेषों का विश्लेषण कर रहे हैं, ताकि उस युग की दफन प्रथाओं के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त की जा सके।

## ब्लॉग

# अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों में चीन से आगे निकलता भारत

प्रह्लाद सबनानी

**अर्थ** के कई क्षेत्रों में आज भी पूरे विश्व में चीन का दबदबा कायम है जैसे चीन विनिर्माण के क्षेत्र में विश्व का केंद्र बना हुआ है। विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) के शेयर बाजार के आकार के मामले में भी चीन का दबदबा लम्बे समय से कायम रहा है। परंतु, अब भारत उक्त दोनों ही क्षेत्रों, (विनिर्माण एवं शेयर बाजार), में चीन को कड़ी टक्कर देता दिखाई दे रहा है तथा हाल ही में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार सम्बंधी इंडेक्स में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल पूरे विश्व में संस्थागत निवेशक विभिन्न देशों, विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं, के शेयर बाजार में पूंजी निवेश करने के पूर्व वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में जारी किए जाने वाले कुछ महत्वपूर्ण इंडेक्स पर बहुत अधिक भरोसा करते हैं। अथवा, यह कहा जाय कि इन इंडेक्स के आधार पर अथवा इन इंडेक्स की बाजार में चाल पर ही वे इन देशों के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। इन संस्थागत निवेशकों में विभिन्न देशों के पेन्शन फंड, सोवरेन फंड, निवेश फंड आदि शामिल रहते हैं जिनके पास बहुत बड़ी मात्रा में पूंजी की उपलब्धता रहती है एवं वे अपनी आय बढ़ाने के उद्देश्य से तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के शेयर बाजार में अपना निवेश करते हैं। इस संदर्भ में MSCI Emerging Market IMI (Investible Market Index) Index का नाम पूरे विश्व में बहुत विश्वास के साथ लिया जाता है। विश्व प्रसिद्ध निवेश कम्पनी मोर्गन स्टेनली ने अपने प्रतिवेदन में बताया है कि इस इंडेक्स में 24 तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं (इमर्जिंग देशों) की 3,355 कम्पनियों के शेयरों को शामिल किया गया है।

पिछले 15 वर्षों से यह प्रचलन चल रहा है कि इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स (IMI) में चीन की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही है परंतु धीरे धीरे अब चीन की भागीदारी इस इंडेक्स में कम हो रही है एवं इस वर्ष अब भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस इंडेक्स में प्रतिशत में चीन की हिस्सेदारी लगातार कम हो रही है और भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इस इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़ते हुए चीन से आगे निकल आई है और भारत की हिस्सेदारी अब 22.27 प्रतिशत से अधिक हो गई है एवं चीन की हिस्सेदारी कम होकर 21.58 रह गई है। यह इतिहास में पहली बार हुआ है और इसका आशय यह है कि जो निवेशकर्ता इस इंडेक्स के आधार पर अपना निवेश तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में करते हैं वे अब भारत की ओर अपना रूख करेंगे। दूसरे, पिछले कुछ वर्षों से विदेशी निवेशक भारत से निवेश बाहर निकालते रहे हैं क्योंकि उनको भारतीय शेयर मंहगे लगाने लगे थे। परंतु, अब यह विदेशी निवेशक भी भारत की ओर रूख करेंगे। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का वेट बढ़ने से इस प्रकार के निवेशक भी भारत में आएंगे ही और भारत में 400 से 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नया निवेश करेंगे।

एक अन्य MSCI वैश्विक सूचकांक में भी भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 2 प्रतिशत हो गई है। परंतु, MSCI इमर्जिंग मार्केट इनवेस्टिबल फड इंडेक्स में भारत की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से अधिक हो गई है। वैश्विक स्तर पर निवेश करने वाले बड़े फंड्ज का निवेश सम्बंधी आबंटन भी इसी हिस्सेदारी के आधार पर होने की सम्भावना है। इन्हीं कारणों के चलते अब आने वाले समय में भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना निवेश बढ़ाए जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

वैसे भी चीन की अर्थव्यवस्था में अब विकास दर कम हो रही है क्योंकि पिछले कुछ समय से चीन लगातार कुछ आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा है। चीन की विदेश नीति में भी बहुत समस्याएं उभर रही हैं विशेष रूप से चीन के अपने लगभग समस्त पड़ौसी देशों के साथ राजनैतिक सम्बंध ठीक नहीं हैं। चीन के शेयर बाजार में देशी निवेशक ही अधिक मात्रा में भाग ले रहे थे और वे भी अब अपना पैसा शेयर बाजार से निकाल रहे हैं। इन समस्याओं के पूर्व MSCI इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में चीन ओवर वेट था और भारत अंडर वेट था। परंतु, पिछले दो वर्षों के दौरान स्थिति में तेजी से परिवर्तन हुआ है। चीन की अर्थव्यवस्था में आई समस्याओं के चलते चीन का इस इंडेक्स में खराब प्रदर्शन रहा है, उससे चीन की हिस्सेदार इस इंडेक्स में कम हुई है। दूसरा, भारत अपने आप में विभिन्न आयामों वाला शेयर बाजार है क्योंकि यहां निवेशकों को सूचना प्रौद्योगिकी, ऊर्जा एवं गैस, अधोसंरचना, स्वास्थ्य, होटेल, बैंकिंग एवं वित्त आदि जैसे लगभग समस्त क्षेत्र मिलते हैं। इसके विपरीत ताईवान के शेयर बाजार में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कम्पनियों की 60 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है, इसी प्रकार, सऊदी अरब में तेल कम्पनियों की 90 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। इस प्रकार ये देश पूर्णतः केवल एक अथवा दो क्षेत्रों पर ही निर्भर हैं जबकि भारत में विदेशी निवेशकों को कई क्षेत्रों में निवेश का मौका मिलता है। भारत एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था शीघ्र ही पांचवे स्थान से आगे बढ़कर तीसरे स्थान पर आने की तैयारी में है। भारत में सशक्त वित्तीय प्रणाली के साथ ही सशक्त प्राइमरी मार्केट भी है। भारत में स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों की संख्या भी बहुत तेजी से बढ़ रही है, इन स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियों को भी तो वित्त की आवश्यकता है, जिनमें विदेशी निवेशक अपनी पूंजी का निवेश कर सकते हैं। इस प्रकार यह स्टार्ट अप एवं नई कम्पनियां भी निवेशकों को निवेश के लिए अतिरिक्त बेहतर विकल्प प्रदान कर रही हैं।

साथ ही, भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी का कम्पन भी स्पष्टतः दिखाई दे रहा हैं और भारत में सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष की वृद्धि हो रही है। भारत में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने के अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं इससे भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग में और अधिक वृद्धि होगी तथा इससे विभिन्न कम्पनियों की लाभप्रदता में भी अधिक वृद्धि होगी और अंततः इन कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले विदेशी संस्थागत निवेशकों को भी भारत में निवेश करने में और अधिक लाभ दिखाई देगा। दूसरे, भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वाली 60 प्रतिशत जनसंख्या का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत तक ही है, इसे बढ़ाए जाने के लगातार प्रयास केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के चलते ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिकों की आय में भी वृद्धि दर्ज होगी। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को उद्योग एवं सेवा के क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण इलाकों एवं कृषि क्षेत्र पर जनसंख्या का दबाव कम हो। भारत की जनसंख्या की औसत आयु 27 वर्ष हैं, चीन की जनसंख्या की औसत आयु 40 वर्ष है और जापान की जनसंख्या की औसत आयु 53 वर्ष है। इस प्रकार भारत आज एक युवा देश है क्योंकि भारत में युवा जनसंख्या, चीन एवं जापान की तुलना में, अधिक है जो भारत के लिए, आर्थिक दृष्टि से, लाभ की स्थिति उत्पन्न करता है।

भारतीय युवाओं को यदि रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध होने लगते हैं तो इससे भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और अधिक तेज गति से वृद्धि सम्भव होगी। चीन में आज बेरोजगारी की दर जुलाई 2024 में बढ़कर 5.20 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो जून 2024 में 5 प्रतिशत थी। वर्ष 2002 से वर्ष 2024 तक चीन में बेरोजगारी की औसत दर 4.75 प्रतिशत रही है। हालांकि फरवरी 2020 में यह 6.20 प्रतिशत के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई थी। अब पुनः धीरे धीरे चीन में बेरोजगारी की दर आगे बढ़ रही है। जबकि भारत में वर्ष 2023 में बेरोज़गारी की दर (15 वर्ष से अधिक आयु के नगरिको की) कम होकर 3.1 हो गई है जो हाल ही के समय में सबसे कम बेरोज़गारी की दर है। वर्ष 2022 में भारत में बेरोजगारी की दर 3.6 प्रतिशत थी एवं वर्ष 2021 में 4.2 प्रतिशत थी। इस प्रकार धीरे धीरे भारत में बेरोजगारी की दर में कमी आने लगी है। कुल मिलाकर अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में चीन की तुलना में भारत की स्थिति में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है जिससे MSCI इंडेक्स में भारत की स्थिति में भी लगातार सुधार दिखाई दे रहा है जो आगे आने वाले समय में भी जारी रहने की सम्भावना है। इस प्रकार, अब भारत, चीन को अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में धीरे धीरे पीछे छोड़ता जा रहा है।

# यूपी में बारिश बनी आफत, आगरा की सड़कों पर चली नाव, प्रयागराज में डूब गए दुकान-मकान

आर्यावर्त संवाददाता

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश में भले ही मानसून अपनी विदाई की ओर है, लेकिन जाते जाते कहर बरपा रहा है। बुधवार को लगातार 11 घंटे हुई बारिश की वजह से नदी नालों में बाढ़ की स्थिति तो बनी ही, कई शहरों की सड़कों पर कहीं घुटने भर तो कहीं डूबने भर पानी भर गया है। ऐसे में आगरा समेत कई अन्य शहरों के अंदर नाव चलाने की नौबत आ गई है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के 60 से अधिक जिलों में जन जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

प्रयागराज समेत कई जिलों में तो ऐसी स्थिति बन गई है, लोग ग्राउंड फ्लोर छोड़ कर पहली मंजिल पर शरण लिए हैं। उत्तर प्रदेश में राजस्व विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक बीते 12 घंटे में करीब 23।4 एमएम बारिश हुई है। राज्य के 60 से अधिक जिलों में बारिश का यह औसत करीब 482 फीसदी से भी अधिक है। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में सबसे ज्यादा बारिश हमीरपुर जिले में दर्ज हुई है। यहां सितंबर महीने में महज 4।7 एमएम औसत बारिश का रिकार्ड है, लेकिन इस बार सारे रिकार्ड ध्वस्त करते हुए 3240 फीसदी ज्यादा यानी 137 एमएम तक बारिश हुई।

### प्रयागराज में 10 हजार घर डूबे

कुछ ऐसे ही हालत आगरा में भी बने। यहां लगातार 11 घंटे हुई बारिश की वजह से शहर की लगभग सभी सड़कें लबालब हो गईं। वहीं नीचले इलाके में कहीं घुटने भर तो कहीं कमर तक पानी भर गया। उधर, प्रयागराज में इस बारिश की वजह से गंगा और यमुना दोनों ही नदियां तांडव मचाने को तैयार हैं। अब तक करीब 10 हजार घर बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। इन घरों में लोग या तो पलायन कर गए हैं या फिर पहली मंजिल पर शरण लिए हैं। जबकि भगवान कृष्ण की नगरी मथुरा में राहत मिलती नजर नहीं आ रही।

### खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं नदियां

यहां लगातार बारिश की वजह से एक कच्चा मकान ढह गया। इससे महिला की मौत हो गई। हालात उन्नाव, कानपुर, बलिया, गोरखपुर और देवरिया में भी बहुत खराब है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी ने रामघाट को डूबो दिया है। हालात यहां तक आ गए हैं कि रामघाट से दूर सड़क पर पूजा पाठ कर रहे हैं। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक यमुना, गंगा, घाघरा, शारदा समेत सभी नदियां ना केवल खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, बल्कि कई जगह इन नदियों ने आबादी क्षेत्र में तबाही भी मचाना शुरू कर दिया है।

## यूपी पर अगले 48 घंटे भारी, यागी चक्रवात ने बढ़ाई टेंशन, स्कूलों की छुट्टी... 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश में यागी चक्रवात का असर नजर आ रहा है। कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। बिजली गिरने और तेज हवाओं से मौसम खराब बना हुआ है। मौसम विभाग ने प्रदेश में अगले 48 घंटे बारिश के लिए चेतावनी वाले बताए हैं। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए एटा, कानपुर, प्रतापगढ़, हमीरपुर, बहराइच, बांदा, रामपुर, अमरोहा सहित कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित की है। लगातार हो रही बारिश से कई इलाके बाढ़ की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के 43 जिलों में अगले 48 घंटे तक भारी बारिश की संभावना जताई है। कई जिलों में बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। चक्रवाती तूफान के असर से निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने तैयारियां की हुई हैं। पीएसी, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को अलर्ट किया हुआ है। साथ ही किसी भी आपदा परिस्थितियों से बचने के लिए कई इलाकों में लोगों को जागरूक किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, गुरुवार को प्रदेश के 20 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। इनमें लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, गाजीपुर, आजमगढ़, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर और उन्नाव शामिल हैं। साथ ही मौसम विभाग ने 2 से 3 दिन तक बारिश का सिलसिला बने रहने का पूर्वानुमान जताया गया है। उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के साथ कई इलाकों में बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। इनमें अयोध्या, अमेठी। फतेहपुर, प्रयागराज, कौशांबी, चित्रकूट, बांदा, कन्नौज, भदोही, गाजीपुर। मुरादाबाद, अमरोहा, चंदौली, प्रतापगढ़, मिर्जापुर शामिल हैं।

## मेरी नहीं तो, किसी की नहीं होने दूंगा...सिरफिरे आशिक ने छात्रा पर चढ़ाई कार, मौत 3

आर्यावर्त संवाददाता

**गोरखपुर।** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक सिरफिरे आशिक ने छात्रा की हत्या कर दी। आरोपी ने छात्रा पर कार चढा दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद कार डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइटर से टकराने के बाद कार बुरी तरह छति ग्रस्त हो गई। जबकि कार चालक आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी छात्रा की सगाई से भड़क गया था। जिसके बाद उसने इस तरह की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है।

गोरखपुर के बरहुआ की छात्रा अंकिता यादव शहर के गंगोत्री देवी कालेज में पढ़ती थी, वो स्नातक अंतिम वर्ष की छात्रा थी। आरोपी और छात्रा दोनों एक दूसरे को जानते थे। छात्रा जब सुबह करीब 10 बजे चौराहे पर कालेज जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी।

### छात्रा की सगाई से नाराज था आरोपी

छात्रा अंकिता यादव के घर वालों ने उसकी शादी करने के लिए सगाई कर दी थी। जिसके बाद नाराज सिरफिरा आशिक उसको पाने के लिए पागल हो गया। छात्रा ने मना कर दिया तो उसने हत्या का प्लान बनाया। आरोपी का नाम प्रिंस यादव है, दोनों एक ही समाज के थे। आरोपी की छात्रा से शादी करना चाहता। जब वो इसमें कामयाब नहीं हुआ तो उसके सिर पर खून सवार हो गया।

### छात्रा की मौके पर ही हो गई मौत

मृतक छात्रा के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी प्रिंस यादव के खिलाफ हत्या के मामले में केस दर्ज कर लिया है। आरोपी ने छात्रा को मारने के लिए उसके ऊपर कार चढ़ा दी। कार चढ़ने से छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं डिवाइटर से कार टकराने के बाद आरोपी बुरी तरह से घायल हो गया। घायल आरोपी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी ने सहजनवां से गोरखपुर की ओर जाने वाले सड़क पर घटना को अंजाम दिया। आरोपी ने जिस वक्त घटना को अंजाम दिया उस वक्त वो सहजनवां से गोरखपुर की तरफ जा रहा था। घटना के बाद छात्रा के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं छात्रा के पिता ने कहा कि बेटी को पढ़ लिखकर कुछ बनना चाहती थी लेकिन अब तो सबकुछ खत्म हो गया।

### ताइक्वांडो प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

**हरचंदपुर,रायबरेली।** बाबू एलपीएस के कक्षा 6 के छात्र बदल सिंह ने सीतापुर में आयोजित मण्डल स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल हासिल किया। बदल सिंह का विद्यालय आने पर भव्य स्वागत किया गया।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सपना श्रीवास्तव व विद्यालय की उप प्रधानाध्यपिका सजिया ने बदल सिंह गोल्ड मेडल विजेता व दीपक यादव कांस्य पदक विजेता को माला पहनकर स्वागत किया| विद्यालय के विशिष्ट सलाहकार अधिवक्ता विकास श्रीवास्तव ने बच्चो को निरंतर इसी तरह आगे बढ़ने की शिक्षा दी । विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से एक हजार पांच सौ रुपये का नगद पुरस्कार देकर बच्चो को प्रोत्साहित किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय इंचार्ज आकाश ने बच्चो से कहा हमें कभी निराश नहीं होना चाहिए बल्कि निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए|

## अमेरिका में लगवाई नौकरी, करने लगा ब्लैकमेल... भारत लौटी तो फेंक दिया तेजाब

आर्यावर्त संवाददाता

**सहारनपुर.** उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में विदेश से नौकरी करके लौटी युवती पर तेजाब फेंकने का मामला सामने आया है. आरोपी ने पहले युवती की अमेरिका में नौकरी लगाई. वहां उसे शॉर्ट फिल्म में काम करने का लालच देने लगा. जब युवती नहीं मानी तो उस पर दबाव बनाने लगा. लड़की नौकरी छोड़कर आ गई. यहां आरोपी ने उसके अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी. वो तब भी नहीं मानी तो उस पर तेजाब फेंक दिया.

मामला सदर बाजार इलाके का है. यहां रहने वाली युवती ने थाने में आरोपी के विरुद्ध कड़ा एक्शन लेने की मांग की. पुलिस के मुताबिक आरोपी गुजरात का रहने वाला है. युवती ने थाने में दी तहरीर में बताया- वह करीब सवा साल पहले इंस्ट्राग्राम के जरिए एक युवक के संपर्क में आई थी. दोनों में दोस्ती हुई तो युवती ने उसे बताया कि वो नौकरी की तलाश में है. युवक ने युवती से कहा कि वो उसे नौकरी दिलवा सकता है.

पीड़िता ने बताया- युवक ने उसे अमेरिका की एक कंपनी में लगवा दिया. वहां युवक की एक और महिला मित्र भी काम करती थी. जैसे ही युवती अमेरिका गई, युवक उसे कहने लगा कि तुम अच्छी दिखती हो. क्या तुम फिल्मों में काम करोगी? युवती ने उसका ऑफर ठुकरा दिया. बाद में वो एक और ऑफर लेकर आया. कहने लगा कि एक शॉर्ट फिल्म में वो उसे रोल दिलवा सकता है. युवती ने इस बार भी मना कर दिया. युवक फिर उस पर दबाव बनाने लगा.

### तेजाब डालकर फरार

युवती ने बताया- लड़के की इस हरकत से परेशान होकर वह अमेरिका में नौकरी छोड़ घर वापस आ गई. लेकिन युवक की हरकत यहां भी नहीं सुधरी. वो यहां भी युवती को परेशान करने लगा. कहने लगा कि तुम्हें शॉर्ट फिल्म में काम करना ही होगा. नहीं तो मैं तुम्हारी अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा. युवती ने फिर भी उसकी बात नहीं मानी. तब युवक ने उस पर तेजाब डाल दिया. फिर वहां से फरार हो गया. इंस्पेक्टर सदर बाजार सूबे सिंह के मुताबिक मामले में एक मुकदमा पहले भी दर्ज हो चुका है. लेकिन, युवती की ओर से अब दूसरा मुकदमा दर्ज कराया गया है. पुलिस के मुताबिक युवती गुरुग्राम में भी शिकायत कर चुकी है. वहां आरोपी युवक की ओर से माफीनामा लिखा गया था. बावजूद इसके वह हरकतों से बाज नहीं आया है.

## बाल-बाल बचे भदोही के सांसद विनोद कुमार बिंद, वाराणसी में काफिले की तीन गाड़ियां आपस में टकराईं

आर्यावर्त संवाददाता

**वाराणसी।** वाराणसी जिले के हरहुआ के पास भदोही के सांसद विनोद कुमार बिंद के काफिले की तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।हादसा गुरुवार की सुबह हुआ। सांसद पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। बताया जा रहा है कि ऑल्टो गाड़ी को बचाने में काफिले की तीन गाडियां आपस में टकराईं। बड़ागांव थाना क्षेत्र के बाबतपुर स्थित एसएस पब्लिक स्कूल के सामने एक कार को बचाने में भदोही सांसद की फॉर्च्यूनर गाड़ी दुर्घटना ग्रस्त हो गई। घटना के बाबत थनाध्यक्ष बड़ागांव अजय पांडेय ने बताया सुबह करीब 9:45 बजे भदोही सांसद विनोद बिंद का काफिला लखनऊ से बनारस जा रहा था। इसी दौरान बाबतपुर स्थित एसएस पब्लिक स्कूल के सामने यूटर्न लेने के लिए एक ऑल्टो कार घूम रही थी, जिससे सांसद की फॉर्च्यूनर गाड़ी टकरा गई।

दुर्घटना में सांसद की फॉर्च्यूनर गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि दुर्घटना में कोई चोटिल नहीं हुआ। दुर्घटना के थोड़ी देर बाद उनका काफिला बनारस के लिए रवाना हो गया। वहीं दुर्घटना के बाद ऑल्टो सवार वाहन लेकर बाबतपुर की तरफ निकल गया।

### शादी का झांसा देकर युवती से सामूहिक दुष्कर्म

**जगतपुर, रायबरेली।** थाना क्षेत्र की एक गांव की रहने वाली युवती ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंप कर आरोप लगाया कि एक युवक द्वारा उसे शादी का झांसा देकर सामूहिक दुष्कर्म दोस्तों के साथ किया और अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दे रहा है।

युवती ने बृहस्पतिवार को पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र शौप कर आरोप लगाया कि जगतपुर थाना क्षेत्र के चौहानन के पुरवा के रहने वाले ऋषि पटेल द्वारा शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाएं और अश्लील वीडियो बना लिया इसके बाद अश्लील वीडियो की वायरल करने की धमकी देते हुए लालगंज में ले जाकर अपने अन्य दोस्तों के संग कमरे में सामूहिक दुष्कर्म किया तथा युवती को आए दिन ब्लैकमेल करते हैं। और अश्लील वीडियो वायरल करने के लिए जबरन संबंध बनाने का दबाव बना रहे। युवती तंग आकर इसके पूर्व थाने में शिकायत की थी।

## रामलला को लगता है जिस मिठाई का भोग, उसे मिलेगा जीआई टैग, खड़ाऊ और गुड़ भी शामिल

आर्यावर्त संवाददाता

**अयोध्या।** अयोध्या के प्रसिद्ध खुरचन पेड़ा को अब जीआई टैग मिलेगा। इसके साथ ही चंदन टीका और खड़ाऊ को भी जीआई उत्पाद में शामिल करने की योजना है। काशी के रहने वाले जीआई विशेषज्ञ डॉ। रजनीकांत ने इन उत्पादों को ओडीओपी में शामिल करने के लिए आवेदन किया है। इसके लिए जीआई रजस्ट्री चेन्नई को रिक्वेस्ट भेजी गई है। इससे पहले अयोध्या में हनुमान गढ़ी के लड्डु को जीआई टैग मिल चुका है। जीआई विशेषज्ञ डॉ। रजनीकांत के मुताबिक इन उत्पादों को जीआई टैग देने संबंधी सभी तकनीकी और कानूनी पहलुओं पर विचार करने के बाद आवेदन को स्वीकार किया गया है। उम्मीद है कि बहुत जल्दी इन उत्पादों को जीआई टैग मिल जाएगा।

इसके बाद ये सभी भारत की बौद्धिक संपदा में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भगवान राम को प्राचीन काल से खुरचन पेड़ा बहुत पसंद है। शुरू से मंदिर में इसी प्रसाद का भोग लगता रहा है। इसी प्रकार अयोध्या में 12 से अधिक तरीकों से चंदन टीका तैयार होता है। इसका इस्तेमाल सभी धर्म और संप्रदायों के लोग अपनी अपनी परंपरा के मुताबिक करते रहे हैं। यह चंदन टीका तमाम संतों की पहचान भी होती है। इससे पता चला जाता है कि कौन संत किस संप्रदाय या परंपरा से जुड़े हैं।

### खड़ाऊ और गुड़ को भी जीआई टैग

डॉ. रजनीकांत के मुताबिक दुनिया में अयोध्या ही ऐसी जगह है जहां 14 वर्षों तक खड़ाऊ ने राज किया था। उसी समय से अवध क्षेत्र ही नहीं, सनातन प्रेमियों में खड़ाऊ को बेहद पवित्र दर्जा दिया गया है। अयोध्या में अलग अलग साइज और डिजाइन के खड़ाऊ बनाते हैं। यहां से लोग पूजा के लिए खड़ाऊ खरीद कर भी ले जाते हैं। इसी प्रकार यहां के गुड़ की मिठास का कोई जवाब नहीं है। इस गुड़ में यहां की जलवायु और सरयू के पानी का काफी असर होता है।

## जनपद न्यायाधीश ने पशु कूरूरता एवं पशु संरक्षण की दी जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

**मीरजापुर।** उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन में जनपद न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनमोल पाल के आदेशानुसार उच्च कम्पोजिट विद्यालय ग्राम अरगजा पाण्डेयपुर ब्लाक सीटी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीरजापुर के तत्वावधान में पशुओं क्रूरता एवं संरक्षण से सन्दर्भित जनजागरूकता शिविर का शुभारम्भ अपर जनपद न्यायाधीश, डीएलएसए सचिव विनय आर्या मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापूर्ण एवं दीपप्रज्जवलित कर किया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी शरद कुमार सिंह, बीईओ सिटी रवीन्द्र शुक्ल, विद्यालय प्रधानार्चाय, एवं ग्रामीण जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि पशु, पंक्षी किसी का हो उन पशुओं एवं पंक्षीयों पर दया करें, उनको समय से भोजन, पानी दवा, इलाज, इत्यादि का ध्यान देना चाहिए। उनके साथ क्रूरता नहीं दया करनी चाहिए क्योकि वह जुबान से बोल नहीं सकते है और अपने दुःख को व्यक्त नहीं कर पाते है। जबकि पशु पंक्षी आपकी भावनाओं को भली भांति समझते है। कभी कभी देखा जाता है कि मनोरंजन के लिए जानवरों को मारना और नुकसान पहुंचाया जाता है और घायल किया जाता है। यह कतई नहीं करना चाहिए क्योकि पशु पंक्षियों पर कूरता करना, अत्याचार करना कानूनी अपराध की श्रेणी में आता है और कानून में अर्थदण्ड से दण्डित करने का भी प्राविधान है। ग्रामीण व शहरी पशुपालको से अनुरोध है कि वह अपने अपने जानवरो व पशुओं को सड़कों पर खुला छुट्टा न छोड़े।

## नोएडा में बनने जा रहा एक और एक्सप्रेसवे, ओखला बैराज से होगी शुरुआत, इन इलाकों को होगा फायदा

आर्यावर्त संवाददाता

**नोएडा।** नोएडा के ओखला बैराज से हिंडन-यमुना डूब क्षेत्र होते हुए यमुना एक्सप्रेसवे तक मार्जिनल बांध रोड पर एक्सप्रेसवे का निर्माण होगा। इस एक्सप्रेसवे के निर्माण से लोगों को जाम से राहत मिलेगी। वहीं इस मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा दिलाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखा है। वहीं अब प्रशासन से भी इस मामले में अपील की जाएगी। 19 किमी लंबे एक्सप्रेसवे के निर्माण से कई इलाकों को भी फायदा होगा।

नोएडा में लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए ओखला बैराज से यमुना एक्सप्रेसवे तक सड़क बनाने की तैयारी चल रही है। वहीं इस एक्सप्रेसवे से नोएडा एयरपोर्ट, मयूर विहार से चिल्ला एलिवेटेड रोड होते हुए कनेक्टिविटी मिलेगी। वहीं प्रमुख सचिव को लिखे पत्र मे भी कहा गया है कि इससे नोएडा के कई इलाकों को फायदा होगा। वहीं दिल्ली से आगरा की तरफ जाने वाले वाहनों को सिंग्नल फ्री सफर करने का मौका मिलेगा।

### एक्सप्रेसवे के निर्माण से होगा फायदा

नोएडा एयरपोर्ट जाने वाले लोगों को एक्सप्रेसवे के माध्यम से जाने वाले लोगों का समय बचेगा। साथ ही उनको सड़क से जाने में सुविधा होगी। वहीं ये भी कहा गया है कि भविष्य में भी काफी फायदा होगा। साथ ही ये भी जानकारी दी गई की। एक्सप्रेसवे के आसपास की प्रॉपर्टी में भी भारी उछाल आएगा। वहीं लोगों की सुविधा के लिए जगह-जगह से रैप निकाले जाएंगे। जिससे आने जाने वाले लोगों को आसानी होगी। वहीं एनएटएआई की कंसल्टेंट कंपनी ने पुश्ता रोड का निरीक्षण किया। कंपनी के अधिकारियों ने देखा एक्सप्रेसवे निर्माण और निवेश करने के बाद कितना फायदा होगा, इसका आकलन किया। वहीं एनएच का दर्जा दिलाने के लिए कहां-कहां बाधा आ सकती है।

### दो योजनाओं पर हो रही चर्चा

मिली जानकारी के मुताबिक एक्सप्रेसवे को बनाने के लिए दो योजनाओं पर काम चल रहा है। पहले में 6 लेन और दूसरे में 8 लेन एक्सप्रेसवे के निर्माण की योजना पर काम चल रहा है। हालांकि एक्सप्रेसवे को राष्ट्रीय राजमार्ग का दिलाने के लिए कवायद चल रही है। इसके लिए सीईओ ने प्रमुख सचिव को पत्र भी लिखा है।

### नोएडा- ग्रेनो को होगा फायदा

प्रमुख सचिव को लिखे पत्र में कहा गया है कि एक्सप्रसे के निर्माण से नोएडा के कई सेक्टरों की फायगा होगा। सेक्टर 150 से 160 के साथ ही 162 से 164 और ग्रेटर नोएडा के भी कई सेक्टरों को भी फायदा होगा। वहीं दिल्ली से आगरा जाने वाले लोगों को भी सिग्नल फ्री सफर करने का मौका मिलेगा और लोगों को आसानी होगी। वहीं सीईओ ने कहा कि बीते दिनों शासन के सीनियर अधिकारियों ने पुश्ता रोड क एनएच और नया एक्सप्रेसवे तैयार करने के लिए प्रस्ताव देने की बात कही थी।

### समय से नहीं खुला गेट विद्यालय बच्चें करते रहे इंतजार

बछरावां,रायबरेली( आरएनएस )।क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है । विद्यालयों के खुलने का व बंद होने का कोई निश्चित समय नहीं रह गया है । छात्र-छात्राओं को शिक्षकों का इंतजार करना पड़ता है। जब पड़ताल की गई ,तो हकीकत सामने आई । उच्च प्राथमिक विद्यालय इसिया में गुरुवार सुबह आठ बजे तक विद्यालय का गेट नहीं खुला । बच्चे धूप में स्कूल के गेट के बाहर शिक्षकों का इंतजार करते हुए मिले । स्कूल के बाहर खड़ी छात्रा शिवानी ने बताया कि सभी छात्र लगभग 15 मिनट से खड़े हैं । शिक्षकों के आने के बाद गेट खुलेगा । रसोईया भी मौके से नदारत मिली है । लापरवाही से अभिभावकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं कुछ यही हाल प्राथमिक विद्यालय मलकिया रानीखेड़ा मजरे सुदौली में भी देखने को मिला है । विद्यालय का ताला तो खोला गया । कुछ बच्चे अपने कमरों में तो कुछ बच्चे मैदान में खेल कूद

## यूपी में महंगा होगा नया बिजली कनेक्शन, दोगुना हो जाएगा रेट

आर्यावर्त संवाददाता

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में बिजली का कनेक्शन लेने के लिए जेब में ज्यादा असर पड़ने वाला है। अगर आपने अभी तक विद्युत कनेक्शन नहीं लिया है तो जल्दी ले लीजिए। उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड ने लाइन चार्ज बढ़ाने के लिए प्रस्ताव दाखिल किया है। अगर प्रस्ताव पास होता है तो दुकान और घर तक का विद्युत कनेक्शन दोगुना तक महंगा हो जाएगा। कास्ट डाटा बुक को लेकर नियामक आयोग ने यूपीपीसीएल से प्रस्ताव मांगा था। उपभोक्ता परिषद ने बिजली कनेक्शन के बढ़े दामों के प्रस्ताव का विरोध किया है।

उत्तर प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं को 40 मीटर के अंदर तक का कनेक्शन लेने के लिए सामान्य लाइन चार्ज देना पड़ता है। वर्तमान में इसके लिए 2 किलो वाट के विद्युत कनेक्शन के लिए 150 रुपये चार्ज अदा करने होते हैं। वहीं, 3 से 4 किलोवाट कनेक्शन के लिए 398 रुपए लाइन चार्ज लिया जाता है। वहीं, 5 से 10 किलोवाट के कनेक्शन के लिए उपभोक्ताओं को 2036 रुपये देने पड़ते हैं। प्रस्ताव पास होते ही इसके दाम में कई गुना की बढ़ोत्तरी हो जाएगी। उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड ने जिस प्रस्ताव को नियामक आयोग को भेजा है, उसमें 2 किलोवाट के लिए लाइन चार्ज 150 से बढ़कर 1500 हो जाएगी। नए प्रस्ताव में जो दरे प्रस्तावित हैं, उनमें अप टू 100 मीटर लिखा गया है। ऐसे में 40 मीटर के अंदर वाले उपभोक्ताओं को नया कनेक्शन लेने में बढ़े हुए दामों को अदा करना पड़ेगा। 3 से 4 और 5 से 10 किलोवाट के कनेक्शन लेने के लिए भी कई गुना लाइन चार्ज देना पड़ेगा। नए प्रस्ताव में 3 से 4 किलोवाट के कनेक्शन के लिए 398 रुपये की जगह 3500 और 5 से 10 किलोवाट के विद्युत कनेक्शन के 2036 की जगह 10 हजार रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। नए प्रस्ताव से विद्युत कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं पर खासा असर पड़ेगा। इसका विरोध उपभोक्ता परिषद कर रही है।

### वर्तमान में कनेक्शन पर चार्ज

1 किलोवाट घरेलू ग्रामीण- 1217 2 किलोवाट घरेलू ग्रामीण- 1365 1 किलोवाट घरेलू शहरी- 1858 2 किलोवाट घरेलू शहरी- 2217 5 किलोवाट घरेलू ग्रामीण शहरी- 7967

### प्रस्तावित कनेक्शन पर चार्ज

1 किलोवाट घरेलू ग्रामीण- 2957 2 किलोवाट घरेलू ग्रामीण- 3117 1 किलोवाट घरेलू शहरी- 3158 2 किलोवाट घरेलू शहरी- 3517 5 किलोवाट घरेलू ग्रामीण शहरी- 17365

# हर घर में खाना बनाती औरत फिर टॉप 10 शेफ में सिर्फ एक लड़की क्यों, वजह सबको पता मगर मानना कोई नहीं चाहता

क्या आपने कभी सोचा है किचन में हर दिन खाना बनाने वाली 10 में से 5 महिलाएं ही शेफ क्यों बन पाती हैं। दुनिया के साथ ही भारत में भी ज्यादातर शेफ मैन पर्सन ही क्यों है। वैसे अगर इस बात पर ठीक से गौर किया जाता है तो शायद जवाब हर एक के पास होगा। लेकिन उस पर यकीन करना मुश्किल लगता होगा।

घर की किचन में काम करने वाली महिलाएं अक्सर कॉर्पोरेट दफ्तरों और बिजनेस सेंटर में बड़ी पॉजिशन पर नहीं पहुंच पाती हैं। कभी परिवार की जिम्मेदारी तो कभी ऑफिस में मर्द और औरत को लेकर होता भेदभाव उन्हें सफलता की सीढ़ी से नीचे गिरा देता है। हालांकि एक किचन ऐसी जगह हैं जहां का इन्हें उस्ताद माना जाता है, लेकिन जब यही किचन किसी फाइव स्टार होटल में होती हैं तो ताज्जुब की बात है कि वहां महिलाएं ही सबसे कम होती हैं।

बड़े-बड़े होटल में कुकिंग करने वाले और किचन का जिम्मा संभालने वाले को शेफ कहते हैं। मगर अफसोस, आंकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया ही नहीं भारत में भी टॉप 10 शेफ की लिस्ट में महिलाएं सबसे कम हैं। ऐसे में एक सवाल मन में जरूर आता है कि घर में लाजवाब खाना बनाने वाली औरत शेफ क्यों नहीं बन पाती। जबकि यह करियर ऑप्शन तो उनके लिए सबसे बेहतर होगा, इसका जवाब जानने के लिए लोगों की मानसिकता को समझना जरूरी है।

### वर्ल्ड के टॉप 10 शेफ में सिर्फ एक महिला

सबसे पहले दुनिया के टॉप 10 शेफ की बात करें तो ecoleducasse.com की रिपोर्ट के मुताबिक इस लिस्ट में सिर्फ एक ही महिला शेफ है। फर्स्ट पॉजिशन Alain Ducasse और सेकंड पर Gordon Ramsay हैं। जबकि एक मात्र महिला शेफ फांस की Anne Sophie Pic इस लिस्ट में 7वें नंबर पर हैं।

### भारत के टॉप 10 शेफ

अब अगर भारत की बात की जाए तो यहां अमूमन 90 प्रतिशत घरों में महिलाएं ही खाना बनाती है। लेकिन करियर की बात आने पर यह प्रतिशत बहुत ज्यादा घट जाता है। इंटनरेट पर मौजूद जानकारी के मुताबिक टॉप 10 शेफ की लिस्ट में सिर्फ 3 महिलाएं हैं। टॉप 3 में विकास खन्ना, संजीव कपूर और रणवीर बराड़ जैसे मशहूर शेफ हैं। जबकि चौथे नंबर पर महिला शेफ माधुर जाफरी और 6th पॉजिशन पर नीता मेहता हैं।

### महिलाओं को नहीं मिलता मौका

अब सवाल उठना लाजमी है कि महिलाओं की संख्या इतनी कम क्यों है, तो पहला जवाब आपको घर में ही मिल जाएगा। जब भी एक महिला अपने घर की रसोई में अच्छा खाना बनाती है तो कभी-कभी उसकी तारीफ कर दी जाती है। लेकिन यह बहुत कम ही कहा जाता है कि आप इतना बढ़िया कुकिंग करती हो तो शेफ भी बन सकती हो। किचन के काम को एक करियर ऑप्शन की तरह सोचने को लेकर 100 में से सिर्फ 10 प्रतिशत घरों में ही बात की जाती होगी।

### समाज की सोच गिराती कॉन्फिडेंस

अब अगर एक महिला अपने घर से निकलकर शेफ बनने की सोच भी लेती है तो समाज की सोच उनके कॉन्फिडेंस को गिरा देती है। एक महिला को घर के किचन तक सीमित रहना चाहिए, हर किसी का यह मानना उनके आत्मविश्वास को कम कर देता है। इस वजह से कुछ ही महिलाएं आगे बढ़ पाती है और कुछ समाज की सोच के हिसाब से चलकर सिर्फ किचन में खाना बनाती ही रह जाती हैं।

### महिलाओं को मिलते कम मौके

घर से निकलकर, समाज की सोच को पीछे छोड़कर जब एक महिला सफलता की ओर आगे बढ़ती है तो कई दफा उन्हें प्रोफेशनल जगह पर पुरुष के समान अवसर नहीं मिलते हैं। परिवार की जिम्म्मेदारी और बच्चों की देखभाल उनके करियर में आड़े आ जाती है। गिनी चुनी महिलाएं ही टॉप पॉजिशन को हासिल कर पाती है। इसलिए टॉप लिस्ट में इनकी गिनती कम ही रह जाती है।

# कीटो डाइट के कारण बढ़ सकता है डायबिटीज का जोखिम, स्टडी में दावा

आजकल लोग कई तरह की डाइट फॉलो करते हैं. जिसमें कीटो डाइट भी शामिल है. बहुत से लोग इस डाइट को फॉलो करते हैं. ये वजन कम करने के साथ ही सेहत के लिए कई तरीकों से फायदेमंद साबित हो सकती हैं. लेकिन हाल ही में एक स्टडी में दावा किया गया है कि इस डाइट से टाइप 2 डायबिटीज होना का खतरा बढ़ सकता है.

आजकल लोग वजन कम करने के लिए कई तरह की डाइट फॉलो करते हैं. जिनमें एक कीटोजेनिक डाइट यानी की कीटो डाइट भी शामिल है. इसमें कार्बोहाइड्रेट का कम और फैट का ज्यादा सेवन किया जाता है. साथ ही इस डाइट में प्रोटीन की मात्रा भी नॉर्मल ली जाती है. ये डाइट वजन कम करने के साथ ही शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकती है.

कीटो डाइट में ऐसे फूड्स होते हैं जिनसे शरीर को एनर्जी मिले. साथ ही ये सेहत से जुड़ी कई तरह की समस्याओं में फायदेमंद साबित हो सकती है. लेकिन हाल ही में एक स्टडी सामने आई है जिसमें कहा गया है कि कीटो डाइट टाइप-2 डायबिटीज का कारण बन सकती है. 2024 में मोनाश विश्वविद्यालय से डॉ. बारबोरा डी कर्टेन और रोबेल हुसेन कबथिमर और उनकी टीम द्वारा की गई एक स्टडी में कहा गया है कि ट्रेंडिंग कीटो डाइट को लंबे समय तक फॉलो करने से टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा बढ़ सकता है.

### क्या कहती है स्टडी?

39,000 युवाओं को निगरानी में रखते हुए उनपर शोध किया गया. माना जाता है कि कम कार्ब्स वाली डाइट मेटाबॉलिज्म में सुधार करने में मदद करती है. लेकिन इस स्टडी में उसका उलट परिणाम निकला. इस स्टडी में खुलासा हुआ है कि कम कार्बोहाइड्रेट, हाई प्रोटीन और हाई फैट वाली डाइट को फॉलो करने वाले लोगों में टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 20 प्रतिशत ज्यादा बढ़ जाता है.

स्टडी करने वाले प्रोफेसर बारबोरा डी कोर्टेन ने एक मीडिया हाउस से बात करते हुए बताया है कि ज्यादा मात्रा में सैचुरेटेड फैट वाले फूड्स का सेवन करने से वजन बढ़ाने और इंसुलिन रेजिस्टेंस की समस्या हो सकती है. जो शुगर बढ़ने के कारणों में से एक है.

स्टडी में पता चला है कि जब लोग अपनी डाइट में कार्बोहाइड्रेट की जगह सैचुरेटेड फैट और कम फाइबर वाली चीजों का सेवन करते हैं, तो इससे उनमें वजन बढ़ना यानी की मोटापे की समस्या हो सकती है. इसके अलावा उनका बीएमआई भी बढ़ सकता है. ऐसा डाइट में कॉर्ब की कमी और फैट की अधिकता से हो सकता है. अगर शरीर में फैट बढता है तो ये टाइप-2 डायबिटीज का रिस्क बढ़ा देता है.

### शोधकर्ता के मुताबिक क्या करना चाहिए?

शोधकर्ता का कहना है कि लंबे समय तक और ज्यादा मात्रा में कम कार्ब वाले फूड्स के सेवन से बचें क्योंकि हमारे शरीर को इन फैट्स की भी जरूरत होती है. इसलिए सबसे अच्छा तरीका ये हैं कि पोषक तत्वों के लिए बैलेंस डाइट प्लान बनाना चाहिए. रिफाइंड शुगर, सॉफ्ट ड्रिंक्स, वाइट ब्रेड, जूस, सफेद चीनी, चावल और आलू को रिप्लेस कर एवोकाडो, नट्स, जैतून का तेल और सैल्मन जैसी फैटी मछली का सेवन किया जा सकता है. इसके अलावा बेहतर स्वास्थ के लिए बैलेंस डाइट की जरूरत होती है.

### क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

आरएमएल हॉस्पिटल में मेडिसिन विभाग में डॉ. सुभाष गिरी बताते हैं की लंबे समय तक कीटो डाइट को फॉलो करने से कुछ लोगों में टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कीटो डाइट में कार्बोहाइड्रेट कम होते हैं और शरीर को ग्लूकोज नहीं मिल पाता. इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ सकता है. जिससे डायबिटीज का रिस्क हो सकता है, लेकिन ऐसा बहुत कम मामलों में ही होता है.

# अगर आप नाश्ते में लेते हैं ये चार चीजें, जाने लें नुकसान

नाश्ते में हर किसी को हेल्दी फूड्स का सेवन करना चाहिए। जिससे शरीर को पोषक तत्व और पूरा दिन एनर्जेटिक रहने में मदद मिले। लेकिन कई ऐसी हेल्दी चीजें होती हैं जिनका सेवन खाली पेट यानी की नाश्ते में नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं उन हेल्दी चीजों के बारे में

हम जो भी खाते हैं उसका प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है।खासकर सुबह का नाश्ता। इससे पूरे दिन शरीर को एनर्जेटिक रहने में मदद मिलती है। अगर आप सुबह नाश्ता नहीं करते या फिर जल्दबाजी में अनहेल्दी चीज आ लेते हैं। जिसकी वजह से जल्दी थकावट और इरिटेशन जैसी दिक्कत हो सकती हैं। वहीं अगर सुबह का नाश्ता हेल्दी किया जाए तो पूरा दिन शरीर में एनर्जी बरकरार रहेगी।

लेकिन कुछ फूड्स ऐसे भी हैं जो हेल्दी तो होते हैं लेकिन उनका सेवन नाश्ते में नहीं करना चाहिए। क्योंकि उन फूड्स में ज्यादा कैलोरी होती है, साथ ही खाली पेट उन चीजों का खाने से शुगर लेवल बढ़ना और वजन बढ़ सकता है। इसलिए अपनी डाइट में गुड़ फेट और हाई प्रोटीन वाले फूड्स का सेवन करना चाहिए। न्यूट्रिशन दीपशिखा जैन ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है। जिसमें उन्होंने उन फूड्स के बारे में बताया है जिन्हें वो कभी भी नाश्ते में नहीं खाती हैं, क्योंकि इससे सेहत को नुकसान पहुंच सकता है।

### फ्रूट जूस और स्मूदी

फ्रूट जूस और स्मूदी क्योंकि इसमें फाइबर कम मात्रा में पाया जाता है और सुबह खाली पेट इसका सेवन ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाने का काम करत सकता है। इसी के साथ ही कम फाइबर होने के कारण आपको जल्दी और ज्यादा भूख लगने लग सकती है।

### चाय या कॉफी

अगर आप सुबह नाश्ते के साथ चाय या फिर कॉफी लेते हैं तो इससे खाने में मौजूद जरूरी न्यूट्रिएंट्स को शरीर सही से अब्सॉर्ब नहीं कर पाता है। नाश्ते की अपनी मील के साथ चाय या कॉफी लेने से शरीर में आयरन, जिंक और कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों की कमी हो सकती हैं।

### फ्लेवर्ड दही

फ्लेवर्ड दही बहुत ज्यादा टेस्टी होती है, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है।ऐसे में नाश्ते में इसका सेवन करने से कैलोरी का ज्यादा सेवन और इसे खाने के कुछ समय बाद आपको जल्दी भूख लगने लग सकती है।

### सीरियल

इसमें भी प्रोटीन की मात्रा कम होती है लेकिन फाइबर और फैट ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। जिसकी वजह से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ना और जल्दी भूख लगने जैसी परेशानियों का सामना व्यक्ति को करना पड़ सकता है।

कई ऐसी हेल्दी चीजें हैं जिनका सेवन सुबह खाली पेट करने से सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए नाश्ते में हमेशा ही प्रोटीन और फाइबर से भरपुर चीजें साथ ही हेल्दी फैट वाली चीजों का सेवन करना चाहिए। जब आप हाई फाइबर वाली चीजों का सेवन नाश्ते में करेंगे तो इससे भूख भी कम लगेगी और वेट लॉस में भी मदद मिल सकती है।

# स्मॉल-सेविंग्स स्कीम्स को लेकर 1-अक्टूबर से लागू होंगे नए नियम

## पीपीएफ -सुकन्या समृद्धि अकाउंट्स के लिए जारी किए गए हैं दिशानिर्देश

**मिनिस्ट्री** ऑफ फाइनेंस के इकोनॉमिक अफेयर्स डिपार्टमेंट ने पोस्ट ऑफिस के जरिए खुलने वाली नेशनल स्मॉल सेविंग्स (NSS) स्कीम्स को लेकर नए नियम जारी किए हैं। यह नियम इन स्कीम्स के तहत अनियमित रूप से खोले गए खातों को नियमित यानि रेगुलर करने के लिए हैं।

नेशनल स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स के नए नियम 1 अक्टूबर 2024 से लागू होंगे। सर्कुलर के मुताबिक, NSS की स्कीम्स के तहत अलग-अलग कैटेगरी की पहचान की गई है और उनके लिए दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

### NSS-87 अकाउंट्स

2 अप्रैल 1990 से पहले खोले गए अकाउंट्सः पहले खाते पर मौजूदा स्कीम रेट लागू होगी। दूसरे खाते में बैलेंस पर मौजूदा पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट (POSA) रेट प्लस 2% ब्याज मिलेगा। 1 अक्टूबर 2024 से दोनों खातों पर 0% ब्याज मिलेगा।

2 अप्रैल 1990 के बाद खोले गए अकाउंट्सः पहले खाते पर मौजूदा स्कीम रेट लागू होगी। दूसरे खाते पर मौजूदा पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट रेट लागू होगी। 1 अक्टूबर 2024 से दोनों खातों पर 0% ब्याज मिलेगा।

2 से ज्यादा अकाउंट्सः तीसरे और अतिरिक्त खातों पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा। प्रिंसिपल अमाउंट वापस कर दिया जाएगा।

### पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) अकाउंट्स

नाबालिग के नाम से खोले गए अकाउंट्सः नाबालिग के 18 साल का होने तक पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट रेट से ब्याज मिलेगा। उसके बाद, PPF के लिए लागू ब्याज दर लागू होगी। मैच्योरिटी की कैलकुलेशन नाबालिग के 18वें जन्मदिन से की जाएगी।

एक से ज्यादा PPF अकाउंट्सः अगर जमा राशि वार्षिक सीमा के भीतर है, तो प्राइमरी खाते पर स्कीम के लिए प्रभावी दर लागू होगी। किसी भी सेकंडरी खाते के बैलेंस को प्राइमरी खाते में मिला दिया जाएगा। अतिरिक्त राशि 0% ब्याज के साथ वापस की जाएगी। दो से अधिक अतिरिक्त खातों पर उनकी ओपनिंग की तारीख से 0% ब्याज मिलेगा।

### NRI के PPF अकाउंट्स का विस्तार

ऐसे एक्टिव NRI जिनके PPF अकाउंट्स हैं, जिनके लिए रेजिडेंसी डिटेल्स की आवश्यकता नहीं है। उन्हें 30 सितंबर 2024 तक POSA ब्याज मिलेगा। इस तारीख के बाद, ब्याज 0% होगा।

### सुकन्या समृद्धि अकाउंट्स

दादा-दादी (कानूनी अभिभावक नहीं) द्वारा खोले गए अकाउंट्स के मामले में कानूनी अभिभावक या बायोलॉजिकल माता-पिता को गार्जियनशिप ट्रांसफर करनी होगी। यदि स्कीम के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए दो से अधिक खाते खोले गए हैं, तो अतिरिक्त खाते बंद कर दिए जाएंगे।

नाबालिग के नाम से खोले गए अकाउंट्सः इरेगुलर अकाउंट्स को मौजूदा POSA रेट पर साधारण ब्याज के साथ रेगुलर किया जा सकता है।

### पोस्ट ऑफिसों को जरूरी निर्देश

वेरिफिकेशनः सभी पोस्ट ऑफिसों को निर्देश है कि उन्हें खाताधारकों या अभिभावकों से उनकी PAN और आधार डिटेल्स इकट्ठी करनी होंगी, अगर ये पहले से उपलब्ध नहीं हैं तो ऐसा किया जाएगा।

साथ ही रेगुलराइजेशन रिक्वेस्ट जमा करने से पहले सिस्टम को अपडेट करना होगा। पोस्ट ऑफिसों को खाताधारकों को इन बदलावों के बारे में सूचित करना होगा और नियमों का पालन कैसे किया जाए, इसे लेकर गाइड करना होगा।

# अब स्विगी से कमाई करेंगी माधुरी दीक्षित, आईपीओ आने से पहले लगा दी मोटी रकम

**स्विगी के आईपीओ की खबर के बीच माधुरी दीक्षित ने कंपनी में मोटा निवेश किया है. ऑनलाइन फ़ूड डिलीवरी कंपनी का आईपीओ करीब 11,000 करोड़ रुपये का है और IPO के बाद कंपनी का मूल्यांकन 1.25 लाख करोड़ रुपये हो जाने की उम्मीद है। स्विगी इस साल दिसंबर तक मार्केट में आईपीओ उतार सकती है।**

**ऑनलाइन** फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के आईपीओ को लेकर मार्केट में हलचल तेज हो गई है। कंपनी इस साल दिसंबर तक अपना आईपीओ बाजार में ला सकती है। जानकारी के मुताबिक स्विगी का आईपीओ करीब 11,000 करोड़ रुपये का है और IPO के बाद कंपनी का मूल्यांकन 1।25 लाख करोड़ रुपये हो जाने की उम्मीद है। कंपनी के आईपीओ की खबर के बीच अब माधुरी दीक्षित का दिल भी कंपनी पर आ गया है। उन्होंने आईपीओ आने से पहले ही स्विगी पर मोटा दांव खेल दिया है।

दावा किया जा रहा है कि उन्होंने स्विगी के करोड़ों रुपये के शेयर खरीदे हैं।इससे पहले स्विगी में अमिताभ बच्चन और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन रामदेव अग्रवाल ने भी निवेश किया है।

### माधुरी ने किया करोड़ों का निवेश

मनी कंट्रोल ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि माधुरी दीक्षित ने 345 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से यह डील की है। बॉलीवुड की सुपरस्टार माधुरी दीक्षित ने यह सौदा इनोव8 (Innov8) के फाउंडर रितेश मालिक के साथ मिलकर सेकेंडरी मार्केट से किया है।इनोव8 एक को-वर्किंग स्पेस कंपनी है, जिसे बाद में ओयो ने खरीद लिया था। माधुरी दीक्षित और रितेश मालिक ने करीब 3 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। इन दोनों ने अपने-अपने 1।5 करोड़ रुपये लगाए हैं।

### कमाई के मामले में अव्वल है ये देश, अमेरिका-चीन सबको कर दिया बौना

यह दोनों आम तौर पर डॉक्टर श्रीराम नेने के साथ मिलकर निवेश करते हैं। सूत्रों ने जानकारी दी है कि इन्होंने स्विगी के इनवेस्टमेंट बैंकर अवेंडस की मदद से यह लेनदेन किया है। सेकेंडरी ट्रांजेक्शन तब होता है, जब किसी कंपनी का कोई वर्तमान निवेशक अपने शेयर बेचना चाहे। इस डील में कंपनी की कोई भूमिका नहीं होती है।

### ऐसे करती हैं कमाई

श्रीराम नेने ने कहा कि अमेरिका में स्टार्टअप सिस्टम बूम कर चुका है। भारत में अभी इसकी शुरुआत है। माधुरी दीक्षित और मैं मिलकर ऐसी कंपनियों में संभावनाएं तलाश रहे हैं, जो अभी तक लिस्ट नहीं हुई हैं। ज्यादातर निवेश सिर्फ आर्थिक हैं।रिपोर्ट्स की माने तो माधुरी दीक्षित की नेट वर्थ करीब 250 करोड़ हैं। एक फिल्म को करने के लिए 4-5 करोड़ चार्ज करती हैं। इतना ही नहीं किसी रियलिटी शो को जज करने के लिए एक सीजन के लिए वह 24-25 करोड़ लेती हैं।इसके साथ ही वह कई ब्रांड एंडोर्स भी करती हैं। एक ब्रांड को एंडोर्स करने के लिए माधुरी करीब 8 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

वित्त वर्ष 24 में, स्विगी का घाटा 43 प्रतिशत घटकर ₹2,350 करोड़ रह गया, जो कि इसके खाद्य वितरण और त्वरित वाणिज्य शाखा, इंस्टामार्ट में त्वरित वृद्धि के कारण हुआ। वित्त वर्ष 24 में परिचालन से राजस्व 36 प्रतिशत बढ़कर ₹11,247 करोड़ हो गया।

# अमेजन ने समीर कुमार को भारत का कंट्री मैनेजर नियुक्त किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने मनीष तिवारी के अचानक कंपनी छोड़ने के बाद बुधवार को समीर कुमार को भारत का कंट्री मैनेजर नियुक्त करने का ऐलान किया है।

कंपनी की ओर से आज जारी अपडेट के अनुसार, समीर कुमार 1999 से अमेजन में कार्यरत हैं। वह 1 अक्टूबर से भारत में परिचालन संबंधी जिम्मेदारियां संभालेंगे।

कंपनी के अनुसार, अमेजन के साथ काम करने का 25 साल का अनुभव रखने वाले समीर कुमार अब कंपनी के भारत उपभोक्ता व्यवसाय की देखरेख करेंगे। अमेजन इंडिया के वर्तमान कंट्री मैनेजर मनीष तिवारी ने कंपनी के बाहर अवसर तलाशने का फैसला किया है।

मनीष तिवारी ने जुलाई 2020 से भारत में अमेजन के कामकाज का नेतृत्व किया था। उन्होंने 6 अगस्त को अपना इस्तीफा दे दिया था। मनीष तिवारी के इस्तीफे की वजह यह बताई जा रही है कि उनके और कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल के बीच कई मतभेद थे।

अमित अग्रवाल ने एक आंतरिक ईमेल में कहा, तिवारी ने अमेजन डॉट इन को भारतीयों के लिए ऑनलाइन कुछ भी खरीदने और बेचने का वास्तविक प्रारंभिक बिंदु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह नई भूमिका समीर कुमार के लिए एक अतिरिक्त जिम्मेदारी होगी, जो पहले से ही मध्य पूर्व, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की में अमेजन के उपभोक्ता व्यवसायों का नेतृत्व कर रहे हैं।

अमित अग्रवाल ने कहा कि अमेजन के लिए भारत एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बना हुआ है। उन्होंने कहा, हमारे पास एक मजबूत स्थानीय नेतृत्व बेंच है और उभरते बाजारों में समीर के अनुभवों के साथ, मैं भारत में ग्राहकों और व्यवसाय के लिए हमारी भविष्य की योजनाओं के बारे में और भी अधिक आशावादी हूं।

वर्ष 1999 में अमेजन में शामिल होने वाले कुमार 2013 में अमेजन डॉट इन की योजना बनाने और उसे लॉन्च करने वाली टीम का भी हिस्सा थे। कंपनी ने कहा कि नए बदलाव के साथ अमेजन इंडिया एक डुअल लीडरशिप स्ट्रक्चर का पालन करेगी।

# पेजर ब्लास्ट में मारे गए साथियों के जनाजे में पहुंचे, तभी फटने लगे वॉकी-टॉकी

**लेबनान, एजेंसी।** लेबनान पिछले दो दिनों से धमाकों से दहल रहा है। मंगलवार 17 सितंबर को हिज्बुल्लाह के लड़ाकों के पेजर में ब्लास्ट हुआ, जिसमें 9 लोगों की मौत हुई थी वहीं सैंकड़ों लोग जख्मी हो गए। वहीं बुधवार को कई जगहों पर वॉकी-टॉकी में धमाके हुए। इनमें से एक धमाका पेजर ब्लास्ट में मारे गए हिजबुल्लाह सांसद अली अम्मार के बेटे के अंतिम संस्कार के समय हुआ। इस धमाके का वीडियो भी सामने आया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि अंतिम संस्कार में भारी संख्या में लोग मौजूद थे। लोग सांसद के बेटे को आखिरी विदाई दे रहे थे। इसी दौरान अचानक से जोरदार धमाका हुआ, जिससे चारों तरफ अफरा तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

### गैजेट' स्ट्राइक से इमारतों, गाड़ियों में लगी आग

इस गैजेट' स्ट्राइक से कई इमारतों, दुकानों और गाड़ियों में आग लग गई। इन धमाकों के कई वीडियो सामने आए हैं जिसमें लेबनान में मची तबाही का मंजर साफ दिखाई दे रहा है। सड़कों पर खून बिखरा पड़ा है, हर तरफ एंबुलेंस की की आवाज सुनाई दे रही है।वहीं किसी वीडियो में गाड़ी जलती दिखा दे रही है, तो कहीं बिल्डिंग में लपटें उठती नजर आ रही है।

### कई जगहों पर हुए विस्फोट

लेबनान में कई जगहों पर सैंकड़ों विस्फोट हुए हैं, बीते दिन करीब 4000 से अधिक पेजर ब्लास्ट के बाद वॉकी-टॉकी समेत तमाम इलेक्टॉनिक उपकरणों में धमाके हुए हैं। बुधवार को हुए इन धमाकों में अब तक 20 लोगों की मौत हो गई है, वहीं 420 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं जिनमें से कुछ की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। वहीं मौत का आंकड़ा और भी बढ़ने की संभावना है।

### हिजबुल्लाह ने इजराइल को माना दोषी

लेबनान में हुए इन धमाकों की कई देशों ने निंदा की है। हिजबुल्लाह ने इस करतूत के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। बीते दिन हिजबुल्लाह ने कहा था कि वो इसका बदला जरूर लेगा और इजराइल को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा।

## मौत का दूसरा नाम है मोसाद...दुश्मन के खिलाफ कैसे काम करती है इजराइली एजेंसी?

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** लेबनान में पेजर ब्लास्ट के महज 24 घंटे बाद बुधवार को वॉकी-टॉकी, लैपटॉप और मोबाइल में ब्लास्ट हुए। माना जा रहा है कि इस वक्त हिजबुल्लाह का पूरा कम्युनिकेशन सिस्टम ही निशाने पर है। स्थानीय मीडिया के अनुसार एक घंटे में बेरूत, बेका, नबातियेह और दक्षिणी लेबनान में कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में धमाके हुए और इसमें सैकड़ों लोग घायल हैं। इन ब्लास्ट को लेकर शक की सुई इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद पर है। दावा किया जा रहा है कि मोसाद ने पेजर्स के लेबनान पहुंचने से पहले उनमें छेड़छाड़ की और उसमें कम मात्रा में विस्फोटक लगाए, जिसकी मदद से मंगलवार को हजारों पेजर्स में ब्लास्ट किया गया। यह पहला मौका नहीं है जब इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया हो।

# इधर इजराइल लेबनान पर रहा दुनिया का ध्यान, उधर यूक्रेन ने रूस में मचा दी बड़ी तबाही

**लेबनान, एजेंसी।** इजराइल लेबनान जंग के बीच उधर यूक्रेन ने रूस में बड़ी तबाही मचा दी। यूक्रेन ने पूरी रात रूस पर ड्रोन से कहर बरपाया। उसके ठिकानों को पूरी तरह से तबाह कर दिया। यूक्रेन ने यह हमला रूस के पश्चिमी इलाके टवर में किया है। यूक्रेनियन ड्रोन ने टोरोपेट्स सिटी में रूसी रक्षा मंत्रालय के द्वारा ऑपरेटेड उस डिपो को निशाना बनाया है, जहां भारी मात्रा में हथियार, गोला बारूद और बम रखे हुए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रोन हमले के बाद इस डिपो में भीषण आग लग गई। इस डिपो में इस्कंदर मिसाइल सिस्टम, तोचका-यू मिसाइल सिस्टम, गाइडेड एरियल बम, तोपखाने और गोला-बारूद का स्टॉक किया गया था। रूसी स्टेट न्यूज एजेंसी TASS ने बताया कि टोरोपेट्स शहर पर रात भर ड्रोन हमला किया गया। मलबा गिरने की वजह से डिपो में भीषण आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज में डिपो परिसर में जोरदार विस्फोट और कई इमारतों में आग लगी हुई दिखाई दे रही है। इसके बाद वहां के आसपास की इमारतों को तुरंत खाली कराया गया। यूक्रेन के इस ड्रोन हमले में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। लोगों को वहां से कहीं और शिफ्ट किया गया है। ड्रोन अटैक के बाद इमरजेंसी सर्विज तुरंत एक्टिव हो गई और मोर्चे को संभाल लिया। रूस का टोरोपेट्स शहर यूक्रेनी बॉर्डर से लगभग 300 मील और मॉस्को से लगभग 250 मील पश्चिम में स्थित है। रूस-यूक्रेन के बीच करीब ढाई साल से जंग जारी है। इस जंग में न तो पुतिन की जीत हुई है और न जेलेंस्की की हार, इसके बावजूद जारी है। यह कब खत्म होगा, इसकी कोई निश्चित तारीख नहीं है।

# सऊदी क्राउन प्रिंस ने दिखाया दम, फिलिस्तीन के मुद्दे पर इजराइल को दे दिया खुला अल्टीमेटम

**सऊदी, एजेंसी।** क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने बुधवार को रियाद में शौरा काउंसिल के 9वें सेशन में एक्टिविटीज का उद्घाटन किया। शौरा काउंसिल के अध्यक्ष शेख अब्दुल्ला अल-शेख और काउंसिल के सदस्य, जिन्हें हाल ही में सेशन के लिए नियुक्त किया गया था। इस दौरान सभी मौजूद रहे। क्राउन प्रिंस ने सभी को संबोधित करते हुए दोहराया कि फिलिस्तीनी मुद्दा सऊदी अरब की चिंताओं में सबसे आगे है। उन्होंने कहा कि हम फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजराइली कब्जे वाले प्राधिकरण के अपराधों की कड़ी निंदा को दोहराते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि फिलिस्तीन को स्वतंत्र राज्य बनाने के लिए हम अपनी कोशिशों को बंद नहीं करेंगे। सऊदी अरब, फिलिस्तीन को स्वतंत्र राज्य बनाने का प्रस्ताव पहले ही रख चुका है। उन्होंने कहा, 'फिलिस्तीनी, जिसकी राजधानी पूर्वी येरुशलम है और हम इस बात को साफ करते हैं कि किंगडम इसके बिना इजराइल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित नहीं करेगा। उन्होंने फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने वाले सभी देशों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय वैधता का प्रतीक है। उन्होंने बाकी देशों से भी फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही।

### एक स्वतंत्र राज्य

इस तरह क्राउन प्रिंस ने सीधे तौर पर कह दिया कि वह इजरायइल के साथ तब तक राजनयिक संबंध नहीं बनाएगा, जब तक कि फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य नहीं बना दिया जाता। सऊदी अरब के ओर से पहले भी इजराइल के ओर से फिलिस्तीन के खिलाफ होने वाले अपराध की निंदा की गई थी। उन्होंने कहा था कि किंगडम फिलिस्तीनी लोगों के लिए 1967 की सीमाओं को शामिल करते हुए एक स्वतंत्र राज्य चाहता है। सऊदी अरब कई मौकों पर फिलिस्तीन के साथ खड़ा नजर आ चुका है। वह हमेशा फिलिस्तीन का समर्थन करता है और अब तो सऊदी के क्राउन प्रिंस ने इजराइल को अल्टीमेटम ही दे दिया।

### फिलिस्तीन-इजराइल जंग

फिलिस्तीन और इजराइल की जंग को एक साल से भी ज्यादा का वक्त बीत चुका है। इसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी हैं और कई घायल हो चुके हैं लेकिन अभी भी इस जंग के रुकने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। दोनों ही देशों की ओर से एक-दूसरे पर लगातार हमले किए जाते हैं। हालांकि बाकी देशों ने कई बार दोनों देशों के बीच जारी जंग को रोकने के प्रयास किए हैं।

# पेजर में न होता धमाका तो अभी न खुलती इजराइल की पोल, अमेरिका को पता था कुछ बड़ा होने वाला है

**लेबनान, एजेंसी।** लेबनान में मंगलवार को पेजर में हुए धमाकों के बाद अब बुधवार को एक बार फिर से जोरदार धमाके हुए, जिससे हर तरफ चीख पुकार मच गई। वॉकी-टॉकी में समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में हुए इन विस्फोटों में अब तक 20 लोगों की मौत हुई है, वहीं 450 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन धमाकों के लिए हिजबुल्लाह ने इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है। इस बीच ये भी कहा जा रहा है कि अमेरिका को पहले से ही पता था कि कुछ बड़ा होने वाला है।

सूत्रों का कहना है कि इजराइल ने मंगलवार के लेबनान ऑपरेशन से पहले अमेरिका को सूचित किया था, हालांकि उसने क्या योजना बनाई गई थी इसका कोई विवरण नहीं दिया था। सूत्रों के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने अमेरिका को बताया था कि उनका देश मंगलवार को लेबनान में एक ऑपरेशन को अंजाम देने जा रहा है, लेकिन उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं बताया कि इस ऑपरेशन के पीछे उसने क्या योजना बनाई है और वो कित तरह से इसे अंजाम देगा। 17 सितंबर को धमाके से पहले अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट के बीच हुई थी। योव गैलेंट ने ऑस्टिन को बताया कि हम लेबनान में एक ऑपरेशन चलाने जा रहे है। हांलाकी जब अमेरिका के विदेश मंत्रालय से इस बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि हमें पहले इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने मंगलवार को कहा था कि अमेरिका इसमें शामिल नहीं था और न ही इस घटना के बारे में पता था कि लेबनान में सैकड़ों पेजर विस्फोट करने हैं। एक तरह से देखा जाए तो कैरिन जीन-पियरे की बात कहीं न कहीं सच भी लगती है, क्यों कि उसे इजराइल ने अंधेरे में रखा था। ऑपरेशन का हिंट तो दिया था लेकिन इस ऑपरेशन में वो क्या करने वाला है ये डिटेल उसने नहीं दी। जिससे अमेरिकी अधिकारियों के मन में ये सवाल था कि ऑपरेशन क्या हो सकता है। अमेरिका को पहले से पता था कि कुछ बड़ा होने वाला है, लेकिन वो क्या है इस बारे में उसे पता नहीं था। अमेरिकी अधिकारी तब तक अंधेरे में थे जब तक सैकड़ों विस्फोट वाले पेजर की रिपोर्ट सामने नहीं आई। सूत्रों के मुताबिक विस्फोट तब हुए जब अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन मंगलवार को वाशिंगटन से काहिरा की यात्रा कर रहे थे, इसी दौरान प्लेन में लगे टीवी के जरिए उन्हें इस घटना के बारे में पता चला।

# गोलीबारी की गूंज से वंचित समाज में आतंक नवादा कांड पर नीतीश सरकार पर विपक्ष हमलावर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बिहार के नवादा में बुधवार की रात दलित परिवारों के 80 घरों को 100 दबंगों ने आग के हवाले कर दिया गया। इस घटना के बाद कई लोग बेघर हो गए हैं। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी नंदू पासवान समेत 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। इस घटना को लेकर कई विपक्षी नेताओं ने दुख जाहिर किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग के साथ-साथ इस घटना को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'नवादा में महादलितों का पूरा टोला जला देना, 80 से ज्यादा परिवारों के घरों को नष्ट कर देना बिहार में बहुजनों के विरुद्ध अन्याय की डरावनी तस्वीर उजागर कर रहा है। अपना घर-संपत्ति खो चुके इन दलित परिवारों की चीत्कार और भयंकर गोलीबारी की गूंज से वंचित समाज में मचा आतंक भी बिहार की सोई हुई सरकार को जगाने में कामयाब नहीं हो पाए।

### "शर्मनाक अपराध"

उन्होंने आगे लिखते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा और लिखा कि भाजपा और NDA के सहयोगी दलों के नेतृत्व में ऐसे अराजक तत्व शरण पाते हैं। भारत के बहुजनों को डराते हैं, दबाते हैं, ताकि वो अपने सामाजिक और संवैधानिक अधिकार भी न मांग पाएं और पीएम का मौन इस बड़े षड़यंत्र पर स्वीकृति की मोहर है। बिहार सरकार और राज्य पुलिस को इस शर्मनाक अपराध के सभी दोषियों के खिलाफ त्वरित और सख्त कार्रवाई कर, और पीड़ित परिवारों का पुनर्वास करा कर उन्हें पूर्ण न्याय दिलाना चाहिए।

### तेजस्वी यादव का नीतीश पर हमला

राहुल गांधी ही नहीं तेजस्वी यादव भी पीएम मोदी से सीधा सवाल करते हुए खूब भड़कते नजर आए। उन्होंने एक्स पर लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी, बिहार में आपकी डबल इंजन पॉवर्ड सरकार में दलितों के घर जला दिए गए है। यह भारत देश की ही घटना है। कृपया इस मंगलराज पर दो शब्द तो कह दीजिए कि यह सब प्रभु की मर्जी से हो रहा है इसपर NDA के बड़बोले शक्तिशाली नेताओं का कोई वश नहीं है।

तेजस्वी यादव यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा,'यह भी बता दीजिए कि बिहार में तीसरे नंबर की पार्टी के मुख्यमंत्री ने महीनों से बोलना बंद कर रखा है। वह ना मीडिया से बात करते हैं और ना ही पब्लिक से? वह जो भी बोलते हैं वो अधिकारियों का ही लिखा हुआ बोलते हैं क्योंकि जब वह स्वयं का बोलते हैं तो कहीं से कहीं और कुछ से कुछ बोलने लग जाते है शायद इसलिए ही यह पाबंदी लगाई गई है। NDA को बिहार की नहीं बल्कि अपराधियों की चिंता है'

### 'मल्लिकार्जुन खरगे ने क्या कहा?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी सीएम नीतीश कुमार और पीएम मोदी पर हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'बिहार के नवादा में महादलित टोला पर दबंगों का आतंक NDA की डबल इंजन सरकार के जंगलराज का एक और प्रमाण है। बेहद निंदनीय है कि करीब 100 दलित घरों में आग लगाई गई, गोलीबारी की गई और रात के अंधेरे में गरीब परिवारों का सब कुछ छीन लिया गया। भाजपा और उसके सहयोगी दलों की दलितों-वंचितों के प्रति घोर उदासीनता, आपराधिक उपेक्षा व असामाजिक तत्वों को बढ़ावा अब चरम पर है। प्रधानमंत्री मोदी जी हमेशा की तरह मौन हैं, नीतीश जी सत्ता के लोभ में बेफिक्र हैं और NDA की सहयोगी पार्टियों के मुंह में दही जम गया है'।

### मायावती ने कही यह बात

बसपा चीफ मायावती ने एक्स पर लिखा, 'बिहार के नवादा में दबंगों के गरीब दलितों के काफी घरों को जलाकर राख करके उनका जीवन उजाड़ देने की घटना अति-दुखद व गंभीर है। सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही पीड़ितों को फिर से बसाने की व्यवस्था के लिए पूरी आर्थिक मदद भी करे।

### प्रियंका गांधी ने की कार्रवाई की मांग

प्रियंका गांधी ने एक्स पर लिखा, 'नवादा, बिहार में महादलितों के 80 से ज्यादा घरों को जला देने की घटना बेहद खौफनाक और निंदनीय है। दर्जनों राउंड फायरिंग करते हुए इतने बड़े पैमाने पर आतंक मचाकर लोगों को बेघर कर देना यह दिखाता है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। आम ग्रामीण-गरीब असुरक्षा और खौफ के साए में जीने को मजबूर हैं। मेरी राज्य सरकार से मांग है कि ऐसा अन्याय करने वाले दबंगों पर सख्त कार्रवाई हो और सभी पीड़ितों का समुचित पुनर्वास किया जाए।

# अग्निवीर को सरकारी नौकरी, महिलाओं को 2100 रु, 10 लाख का मुफ्त इलाज..हरियाणा में बीजेपी के 20 बड़े वादे

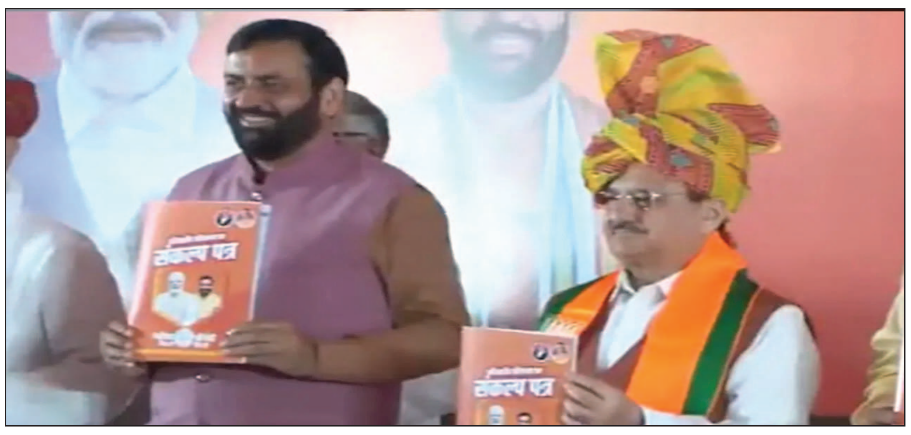


**नई दिल्ली, एजेंसी।** हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने गुरुवार को अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया. इस संकल्प पत्र में बीजेपी ने 20 बड़े दावे किए हैं. जेपी नड्डा और नायब सैनी ने रोहतक में पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया. बीजेपी ने अपने मेनिफेस्टो में कहा है कि वह हरियाणा में 2 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे. सभी महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये महीना देंगे.

इसके अलावा हर महिलाओं को घर गृहणी योजना के तहत 500 रुपये में सिलेंडर देंगे. सामाजिक मासिक पेंशनों में वृद्धि करेंगे. नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत करेंगे. ग्रामीण क्षेत्रों में कालेज जाने वाली प्रत्येक छात्रा को स्कूटर देंगे. हरियाणा को वैश्विक शिक्षा का केंद्र बनाएंगे. इसके अलावा और भी कई वादे हैं. उधर, कांग्रेस ने हरियाणा के लोगों से 7 गारंटी का वादा किया है.

### BJP के संकल्प पत्र में ये 20 बड़े दावे

सभी महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत हर महीने 2100 रुपये

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 5 लाख आवास

24 फसलों की घोषित MSP पर खरीद

प्रत्येक परिवार को 10 लाख तक फ्री इलाज, 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज

2 लाख युवाओं को बिना पर्ची बिना खर्ची पक्की सरकारी नौकरी

5 लाख युवाओं के लिए अन्य रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अवसर ओर नेशनल अप्रेंटिस प्रमोशन योजना से मासिक स्टाईपेंड

छोटी पिछड़ी समाज की जातियों के लिए अलग-अलग कल्याण बोर्ड

सामाजिक मासिक पेंशनों में वृद्धि

दक्षिण हरियाणा में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अरावली जंगल सफारी पार्क

देश के किसी भी सरकारी कॉलेज से मेडिकल और इंजीनियरिंग पढने वाले OBC और SC जातियों के हरियाणा के विद्यार्थियों को पूर्ण छात्रवृत्ति

OBC वर्ग के उद्यमियों की मुद्रा योजना के अतिरिक्त 25 लाख रूपए तक के ऋण की गारंटी हरियाणा सरकार उठाएगी

### हरियाणा में कांग्रेस ने किया 7 गारंटी का वादा

कांग्रेस ने हरियाणा के लोगों से 7 गारंटी का वादा किया है. घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने 2 हजार रुपये, 300 यूनिट मुफ्त बिजली, 25 लाख रुपये का मेडिकल इंश्योरेंस का जिक्र किया गया है. कांग्रेस ने एमएसपी की कानूनी गारंटी और जाति आधारित सर्वेक्षण के साथ ही 18 से 60 साल तक की महिलाओं के लिए हर महीने 2000 रुपये, वृद्धों-दिव्यांगो और विधवाओं को हर महीने छह-छह हजार रुपये की पेंशन का वादा दिया है. हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में 5 अक्टूबर को मतदान है. 8 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे.

# मीडिया के सामने इस वजह से सोनाक्षी का हाथ नहीं थामते जहीर, बोले- भूल जाता हूं कि शादी हो गई है

**हाल ही में एक बातचीत के दौरान सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने खुलकर बातचीत की और शादी के बाद की अपनी जिंदगी के बारे में बात की। बातचीत के दौरान, जहीर इकबाल ने खुलासा किया कि वह भूल जाते हैं कि वे अब शादीशुदा कपल हैं।**

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड के सबसे मशहूर जोड़ों में से एक हैं। करीब सात साल तक डेटिंग करने के बाद, दोनों ने इस साल जून में शादी कर ली। हाल ही में एक बातचीत में, जहीर ने खुलकर बताया कि वह अभी भी अभिनेत्री का हाथ नहीं थामते क्योंकि वह भूल जाते हैं कि अब वे शादीशुदा हैं। इसके साथ ही जहीर ने शादी के बाद हुए बदलावों को लेकर भी कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं।

### जहीर को नहीं रहती यह बात याद

हाल ही में ईटाइम्स के साथ एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल ने खुलकर बातचीत की और शादी के बाद की अपनी जिंदगी के बारे में बात की। बातचीत के दौरान, जहीर इकबाल ने खुलासा किया कि वह भूल जाते हैं कि वे अब शादीशुदा कपल हैं।

### सोनाक्षी ने बताया सब कुछ है पहले जैसा

जहीर ने हंसते हुए कहा, 'मैं अभी भी भूल जाता हूं कि मेरी सोनाक्षी से शादी हो चुकी है, जब हम सार्वजनिक रूप से जाते हैं तो मुझे लगता है कि मैं उनका हाथ नहीं पकड़ सकता और फिर मुझे एहसास होता है कि अब तो शादी हो गई है।' अपने पति की बात को जोड़ते हुए सोनाक्षी ने कहा कि उन्हें अभी भी लगता है कि उनके बीच कुछ भी नहीं बदला है। उन्हें अभी भी ऐसा लगता है जैसे उन्होंने सात साल पहले डेटिंग शुरू की थी।

### इस बात की लगी रहती है होड़

जहीर ने कहा कि वे हमेशा एक-दूसरे से बेहतर बनने की कोशिश करते हैं और उनके बीच इस बात को लेकर लड़ाई चलती रहती है कि कौन दूसरे को ज्यादा प्यार करता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक कपल के लिए सबसे अच्छी बात हो सकती है, जब आप सुबह से रात तक उन्हें यह समझाने की बहुत कोशिश करते हैं कि आप उनसे ज्यादा प्यार करते हैं, और वे कहते हैं, 'नहीं, वे आपसे ज्यादा प्यार करते हैं।'

# पामेला एंडरसन 'गोल्डन आई पुरस्कार' से होंगी सम्मानित, 'द लास्ट शोगर्ल' के लिए मिलेगा अवॉर्ड

कनाडाई अभिनेत्री पामेला एंडरसन को उनकी बहुमुखी प्रतिभा के लिए '20वें ज्यूरिख फिल्म फेस्टिवल' (जेडएफएफ) में 'गोल्डन आई पुरस्कार' से सम्मानित किया जाएगा। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, पुरस्कार समारोह 4 अक्टूबर को होगा। इस दौरान एंडरसन की फिल्म 'द लास्ट शोगर्ल' प्रस्तुत की जाएगी।

हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, 'जेडएफएफ' के कलात्मक निदेशक क्रिश्चियन जुंगेन ने पामेला के लिए कहा, 'उन्होंने खुद को पूरी तरह से अपने किरदार में उतार दिया। अपने चेहरे के हाव-भाव से शेली के किरदार को इस तरह से पर्दे पर उकेरा कि लोगों को उससे सहानुभूति हो जाए।'

उन्होंने आगे अभिनेत्री के प्रदर्शन के लिए कहा, 'एक शानदार प्रदर्शन, शायद उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, जो ऑस्कर नामांकन का हकदार है।' 'द लास्ट शोगर्ल' में कई कलाकार हैं, जिसमें शेली की सहकर्मी एनेट के रूप में जेमी ली कर्टिस शामिल हैं, जो उसे अनिश्चित भविष्य में आगे बढ़ने में मदद करती है। फिल्म में बिली लौर्ड भी शेली की अलग हो चुकी बेटी हन्ना के रूप में हैं, साथ ही कीरन शिपका और ब्रेंडा सॉन्ग भी युवा शोगर्ल सहकर्मियों के रूप में मौजूद हैं। वहीं, डेव बॉतिस्ता एडी की भूमिका में हैं, जो शो के स्टेज मैनेजर हैं और शेली से व्यक्तिगत रूप से जुड़े हुए हैं।

गोल्डन आई पुरस्कार समारोह के बाद, एंडरसन और निर्देशक जिया कोपोला की 'द लास्ट शोगर्ल' फेस्टिवल के दर्शकों के पेश होगी। इस साल के 'ज्यूरिख फिल्म फेस्टिवल' में एलिसिया विकेंडर, जूड लॉ और केट विंसलेट सहित इंडस्ट्री की अन्य बड़ी हस्तियों को भी सम्मानित किया जाएगा। '20वां ज्यूरिख फिल्म फेस्टिवल' 3 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक चलेगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail|com